Postal Regn No./C.G./RYP DN/48/2022-24

website- www.dvpnews.in

रायपुर (छ.ग.) एवं झांसी (उ.प्र.) से एक साथ प्रकाशित राष्ट्रीय हिन्दी पत्र

दैनिक विश्व परिवार

● अंक : 282 ● वर्ष : 12 ● रायपुर, गुरुवार 01 मई 2025 ● पृष्ठ : 08 ● मूल्य : 3 रूपए ● संस्थापक : कीर्तिशेष- श्री कैलाश चन्द्र जैन

सुविचार

जब तक स्पर्धा नहीं होती तब तक आत्मशक्ति का परिचय नहीं होता।

In the absence of competition will-power of self cannot be indentified.

आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज

मोदी सरकार का बड़ा ऐलान- पूरे देश में होगी जाति जनगणना

कैबिनेट की बैठक में लिए गए कई बड़े फैसले

नई दिल्ली (आरएनएस)। बिहार विधानसभा चुनावों के पहले सरकार ने राजनीतिक महत्व का एक बड़ा कदम उठाते हुए देश में आम जनगणना में जातियों की गणना कराने का फैसला किया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में बुधवार को यहां हुई केन्द्रीय मंत्रिमंडल की राजनीतिक मामलों की समिति की बैठक में यह फैसला लिया गया।

रेल, सूचना प्रसारण, इलैक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन में कैबिनेट के फैसलों की जानकारी दी। उन्होंने कहा, राजनीतिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति ने आज फैसला किया है कि जाति गणना को आगामी जनगणना में शामिल किया जाना चाहिए। वैष्णव ने कहा, कांग्रेस की सरकारों ने आज तक जाति जनगणना का विरोध किया है। आजादी के बाद की सभी जनगणनाओं में जातियों की गणना नहीं की गयी। वर्ष 2010 में, तत्कालीन प्रधानमंत्री दिवंगत डॉ. मनमोहन सिंह ने लोकसभा में आश्वासन दिया था कि जाति जनगणना पर केबिनेट में विचार किया जाएगा। तत्पश्चात एक मंत्रिमण्डल समूह का भी गठन किया गया था जिसमें अधिकांश राजनीतिक दलों ने जाति आधारित जनगणना की संस्तुति की थी। इसके बावजूद कांग्रेस की सरकार ने जाति जनगणना के बजाए, एक सर्वे कराना ही उचित समझा जिसे एसईसीसी के नाम से जाना जाता है।

इस सब के बावजूद कांग्रेस और इंडी गठबंधन के दलों ने जाति जनगणना के विषय को केवल अपने राजनीतिक लाभ के लिए उपयोग किया। सूचना प्रसारण मंत्री ने कहा कि जनगणना का विषय संविधान के अनुच्छेद 246 की केंद्रीय सूची की क्रम संख्या 69 पर अंकित है और यह केंद्र का विषय है। हालांकि, कई राज्यों ने सर्वे के माध्यम से जातियों की जनगणना की है। जहां कुछ राज्यो में यह कार्य सूचारू रूप से संपन्न हुआ है वहीं कुछ अन्य राज्यों ने राजनीतिक दृष्टि से और गैरपारदर्शी ढंग से सर्वे किया है। इस प्रकार के सर्वे से समाज में भ्रांति फैली है। इन सभी स्थितियों को ध्यान में रखते हुए और यह सुनिश्चित करते हुए कि हमारा सामाजिक ताना बाना राजनीति के दबाव मे न आये, जातियों की गणना एक सर्वे के स्थान पर मूल जनगणना में ही सम्मिलित होनी चाहिए। इससे यह सुनिश्चित होगा कि समाज आर्थिक और सामाजिक दृष्टि से मजबूत होगा और देश की भी प्रगति निर्बाध होती रहेगी। वैष्णव ने कहा कि आज प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में राजनीतिक विषयों की कैबिनेट समिति ने यह निर्णय लिया है कि जातियों की गणना को आने वाली जनगणना में सम्मिलित किया जाए। यह इस बात को दर्शाता है कि वर्तमान सरकार देश और समाज के सर्वांगीण हितों और मूल्यों के लिए प्रतिबद्ध है। इसके पहले भी जब समाज के गरीब वर्गों को 10 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान किया गया था तो समाज के किसी घटक में कोई तनाव उत्पन्न नहीं हुआ था। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा, 'केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 22,864 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से शिलांग से सिलचर तक एक हाई-स्पीड कॉरिडोर राजमार्ग को मंजूरी दी है.'

गन्ना किसानों के लिए सरकार का बड़ा फैसला

केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि 2025-26 के लिए गन्ने का उचित और लाभकारी मूल्य 355 रुपए प्रति क्विंटल तय किया गया है। यह बेंचमार्क मूल्य है. इसके नीचे खरीदारी नहीं की जा सकती है। इस फैसले से गन्ना किसानों को 1 लाख 11 हजार 701 करोड़ रुपये मिलेंगे। गन्ना किसानों के हित को ध्यान में रखते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों की समिति ने 2025-26 (अक्टूबर-सितंबर) के लिए 10.25 प्रतिशत की मूल रिकवरी दर के लिए 355 रुपये प्रति क्विंटल की दर से गन्ने का उचित और लाभकारी मूल्य (एफआरपी) स्वीकृत किया है। इसमें 10.25त्न से अधिक प्रत्येक 0.1त्न की रिकवरी वृद्धि के लिए 3.46 रुपये प्रति क्विंटल का प्रीमियम प्रदान किया जाएगा। साथ ही रिकवरी में प्रत्येक 0.1त्न की कमी के लिए एफआरपी में 3.46 रुपये प्रति क्विंटल की कमी की जाएगी।

कैबिनेट का बड़ा फैसला : बर्खास्त बीएड धारी सहायक शिक्षकों का होगा समायोजन

रायपुर (विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की अध्यक्षता में बुधवार को मंत्रालय महानदी भवन में आयोजित कैबिनेट की बैठक में अनेक महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। बैठक में सीधी भर्ती 2023 में नियुक्ति उपरांत सेवा समाप्त किये गये 2621 बीएड अर्हताधारी सहायक शिक्षकों के हित में महत्वपूर्ण फैसला लेते हुए उनको अंतर्विभागीय समिति की अनुशंसा अनुसार सहायक शिक्षक विज्ञान (प्रयोगशाला) के पद पर समायोजन करने का निर्णय लिया गया। इसके लिए स्कूल शिक्षा विभाग को अधिकृत किया गया है।

अंतर्विभागीय समिति की अनुशंसा अनुसार हटाये गए बी.एड अर्हताधारी 2621 सहायक शिक्षकों को सहायक शिक्षक विज्ञान (प्रयोगशाला) के राज्य में रिक्त 4,422 पदों में समायोजित किया जाएगा। समायोजन गैर विज्ञापित पदों पर किया जाएगा। कला/विज्ञान संकाय से 12वीं उत्तीर्ण सहायक शिक्षकों को निर्धारित अर्हता (12वीं गणित/विज्ञान) पूर्ण करने हेतु 3 वर्ष की अनुमति दी जाएगी साथ ही इन अभ्यर्थियों को प्रयोगशाला कार्य के संबंध में एस.सी.ई.आर.टी. के माध्यम से दो माह का विशेष प्रशिक्षण दिया जाएगा। अन्य पिछड़ा वर्ग के शेष 355 अभ्यर्थियों के लिए सांख्येत्तर पदों का सृजन किया जाएगा। समायोजन के लिए जिलों की प्राथमिकता में पहले राज्य के अनुसूचित क्षेत्र के जिलों के रिक्त पदों में उसके पश्चात सीमावर्ती जिलों के रिक्त पदों पर तत्पश्चात अन्य जिलों में समायोजन किया जाएगा।

मंत्रिपरिषद के निर्णय- मंत्रिपरिषद द्वारा छत्तीसगढ राज्य के सुदूर अनुसूचित एवं ग्रामीण क्षेत्रों में जहां यात्री परिवहन की सुविधा कम है, वहां आम जनता को सुलभ परिवहन सेवा उपलब्ध कराने के लिए ''मुख्यमंत्री ग्रामीण बस सुविधा योजना'' शुरू करने का अहम निर्णय लिया गया है। इस योजना के तहत हल्के/मध्यम परिवहन मोटरयान 18 से 42 बैठक क्षमता (चालक को छोड़कर) के वाहन को अनुज्ञा पत्र और सुविधाएं प्रदान की जाएंगी। नवीन ग्रामीण मार्गों के विनिर्धारण के लिए राज्य एवं जिला स्तर पर समिति का गठन किया जाएगा। अनुज्ञा का लाभ छत्तीसगढ़ राज्य के स्थानीय निवासियों को मिलेगा, जिसमें अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति, अन्य पिछड़ा वर्ग, महिलाओं तथा नक्सल प्रभावितों को प्राथमिकता दी जाएगी। लाभार्थियों का चयन निविदा प्रक्रिया से किया जाएगा। इस योजना के तहत संबंधित वाहन स्वामी को ग्रामीण मार्गों पर वाहनों के संचालन के लिए प्रथम परमिट निर्गमन की तिथि से तीन साल अधिकतम अवधि के लिए मासिक कर में पूर्णत: छूट दी जाएगी।

इस योजना के तहत संचालित विभिन्न श्रेणी के वाहनों को राज्य शासन द्वारा प्रथम वर्ष 26 रूपए प्रति किलोमीटर, द्वितीय वर्ष 24 रूपए प्रति किलोमीटर तथा तृतीय वर्ष 22 रूपए प्रति किलोमीटर विशेष वित्तीय सहायता प्रदान की जाएगी। इस योजना में दृष्टिहीन, बौद्धिक दिव्यांग, दोनों पैरों से चलने में असमर्थ दिव्यांग, 80 वर्ष और उससे अधिक उम्र के वरिष्ठ नागरिक, एड्स से पीड़ित व्यक्तियों को एक परिचारक के साथ किराया में पूरी छूट रहेगी, वहीं नक्सल प्रभावित व्यक्तियों को आधा किराया लगेगा।

मंत्रिपरिषद द्वारा प्रदेश की तकनीकी शिक्षा को सशक्त बनाने और डिजिटल कौशल को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने श्रमवीरों को दी श्रमिक दिवस की शुभकामनाएं

रायपुर (विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने अंतर्राष्ट्रीय श्रमिक दिवस के अवसर पर प्रदेश के सभी श्रमवीरों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। इस अवसर पर उन्होंने श्रमिकों के सुखद, सुरक्षित और उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि एक मई का दिन उन मेहनतकश हाथों को सम्मान देने का अवसर है, जो अपने परिश्रम और समर्पण से समाज व राष्ट्र की प्रगति को आधार देते हैं। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि श्रमिक समाज के अभिन्न अंग हैं और किसी भी समावेशी विकास यात्रा की नींव श्रमिकों के परिश्रम पर टिकी होती है।

भारत निर्वाचन आयोग आईआईआईडीईएम में निर्वाचन अधिकारियों को दो दिवसीय प्रशिक्षण देकर निर्वाचन-क्षेत्र में तत्परता को सुदृढ़ कर रहा

रायपुर (विश्व परिवार)। भारत के मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) श्री ज्ञानेश कुमार ने आज नई दिल्ली स्थित भारत अंतर्राष्ट्रीय लोकतंत्र एवं निर्वाचन प्रबंधन संस्थान (आईआईआईडीईएम) में बिहार के निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों (ईआरओ) और बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) तथा हरियाणा, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली और उत्तर प्रदेश के ईआरओ और बीएलओ पर्यवेक्षकों के लिए दो दिवसीय क्षमता-निर्माण प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन किया। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम आगामी विधान सभा के आम चुनावों के लिए भारत निर्वाचन आयोग की चल रही तैयारियों का हिस्सा है। इस मिश्रित-वैच वाले प्रशिक्षण कार्यक्रम में कुल 369 जमीनी स्तर के चुनाव पदधारी भाग ले रहे हैं।

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान सम्मानित किया गया।

अपने उद्घाटन अभिभाषण में मुख्य निर्वाचन आयुक्त श्री ज्ञानेश कुमार ने कहा कि बूथ लेवल एजेंट (बीएलए) के साथ-साथ बीएलओ और ईआरओ सही और अद्यतन (updated) निर्वाचक नामावली सुनिश्चित करने के लिए जिम्मेदार हैं और उन्हें लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1950, निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण नियम, 1960 और निर्वाचन आयोग द्वारा समय-समय पर जारी अनुदेशों के अनुसार कड़ाई से काम करना है। इसी महीने के प्रारंभ में, 10 मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों से संबंधित बिहार के लगभग 280 बीएलए को भी आईआईआईडीईएम में प्रशिक्षित किया गया था। यह प्रशिक्षण विशेषकर मतदाता पंजीकरण, फॉर्मों के प्रबंधन और चुनावी प्रक्रियाओं के क्षेत्र-स्तर पर कार्यान्वयन के क्षेत्रों में प्रतिभागियों की व्यावहारिक समझ को बढ़ाने के लिए डिज़ाइन किया गया है।पदधारियों के समक्ष ईवीएम और वीवीपैट के तकनीकी प्रदर्शन किए जाएंगे और इनका प्रशिक्षण भी दिया जाएगा।

दैनिक
विश्व परिवार
रायपुर/दुर्ग-भिलाई/बलौदाबाजार
रायपुर, गुरुवार 01 मई 2025
www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

रेल परिवार से रायपुर मंडल के 17 सदस्य 30 अप्रैल 2025 को हुए सेवानिवृत्त

रायपुर (विश्व परिवार)। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, रायपुर मंडल के विभिन्न विभागों में कार्यरत रेल परिवार के 17 सदस्य (09 सामान्य एवं 08 असामान्य) अप्रैल 2025 में अपनी गौरवशाली रेल सेवा पूर्ण करने के पश्चात् सेवानिवृत हुए।

इस समारोह में सहायक कार्मिक अधिकारी (श्री महेंद्र कुमार शर्मा), सहायक मंडल वित्त प्रबंधक (श्रीमती सुमित्रा पाल), सेवानिवृत्त कर्मी एवं उनके परिजन, कल्याण निरीक्षक तथा बंदोबस्त अनुभाग के कर्मचारी उपस्थित थे। मंडल के सेवानिवृत्त होने वाले 17 रेलकर्मियों में यांत्रिकी विभाग से 05, इंजीनियरिंग विभाग से 07, परिचालन विभाग से 01, विद्युत विभाग से 03 एवं चिकित्सा विभाग से 01 कर्मचारी शामिल है।

सामुदायिक भवन में आयोजित समारोह में समस्त सेवानिवृत्त कर्मियों को विदाई दी गई। इस अवसर पर सहायक मंडल वित्त प्रबंधक द्वारा सभी सेवानिवृत्त कर्मचारियों को सेवानिवृत्ति का समस्त भुगतान प्रमाण-पत्र दिया गया। ई-पेमेंट के माध्यम से सेवानिवृत्त कर्मचारियों की कुल राशि रुपये 4,77,64,438/- का भुगतान किया गया। पेंशन भुगतान आदेश, सेवानिवृत्त कर्मचारी का पहचान पत्र एवं कर्मचारियों एवं आश्रितों का पास कार्ड, सेवा मेडल दिनांक 30/04/2025 को प्रदान किया गया।

सहायक कार्मिक अधिकारी एवं सहायक मंडल वित्त प्रबंधक ने सभी को संबोधित करते हुए सेवानिवृत्त कर्मचारियों को सेवा के दौरान अपने दायित्यो का निर्वहन अच्छे से करने पर बधाई दी तथा स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखते हुए सेवानिवृत्त जीवन को अपने परिवार एवं रिश्तेदारों के साथ आनंदपूर्वक व्यतीत करने की बात कही, साथ ही सेवानिवृत्ति के दौरान मिली राशि को सही जगह निवेश करने की सलाह दी। अंत में उन्होंने सभी को सेवानिवृति के पश्चात् सुखद भविष्य एवं अच्छे स्वास्थ्य की शुभकामनायें दी।

कृषि विश्वविद्यालय में मनाया गया अक्ती तिहार

कुलपति डॉ. चंदेल ने अनुसंधान प्रक्षेत्र में ठाकुर देवता की पूजा-अर्चना कर अच्छी उपज की कामना की

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ का प्रमुख कृषि पर्व अक्ती पर्व के शुभ अवसर पर इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल ने विश्वविद्यालय अनुसंधान प्रक्षेत्र में ठाकुर देवता की पूजा-अर्चना कर खेती-किसानी के नये कार्यों की शुरुआत की। कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल ने अक्षय तृतीया के अवसर पर ट्रेक्टर चलाकर सीड ड्रिल से धान के बीजों का रोपण भी किया। उन्होंने खेत में ड्रोन के माध्यम से खाद एवं कीटनाशक का सटीक छिड़काव करने की तकनीक को स्वयं संचालित कर जीवंत प्रदर्शन किया। अक्ती तिहार का आयोजन इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित समस्त महाविद्यालयों, कृषि विज्ञान केन्द्रों एवं अनुसंधान केन्द्रों में भी किया गया।

डॉ. चंदेल ने माटी पूजन के दौरान सर्वप्रथम कोठी से अन्न लेकर ठाकुर देव को अर्पित किया। यहाँ परम्परागत तौर पर उन्होंने अन्न के दोने को बैगा को सौंपा। इस अन्न को ठाकुर देव के सामने रखकर बीज पूजन की क्रिया सम्पन्न की गयी। अन्न दोने से बीज लेकर खेत में बीजारोपण भी किया। इस अवसर पर कुलपति डॉ. चंदेल ने हल-नागर एवं कृषि औजारों का पूजन कर अच्छी उपज की कामना की। कार्यक्रम का आयोजन निदेशालय प्रक्षेत्र एवं बीज द्वारा किया गया। इस अवसर पर इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के निदेशक प्रक्षेत्र एवं बीज डॉ. राजेन्द्र लाकपाले, संचालक अनुसंधान डॉ. विवेक कुमार त्रिपाठी, निदेशक विस्तार डॉ. एस.एस. टुटेजा, अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ. संजय शर्मा, कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. जी.के. दास, कृषि अभियांत्रिकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. विनय पाण्डेय, खाद्य प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. ए.के. दवे, विश्वविद्यालय के प्राध्यापक, वैज्ञानिक, कर्मचारी एवं विद्यार्थीगण उपस्थित थे।

अक्षय तृतीया के अवसर पर प्रधानमंत्री आवास योजना का लॉटरी निकाला गया भिलाई निगम में

भिलाईनगर (विश्व परिवार)। नगर पालिक निगम भिलाई के सभागार में अक्षय तृतीया के अवसर पर लॉटरी का आयोजन किया गया। जो हितग्राही पहले से आवेदन जमा किए हैं और मकान का 10 प्रतिशत अंशदान की राशि जमा किए हैं। उनको आज की लॉटरी में शामिल किया गया है। जिसमें 27 पात्र हितग्राहियों को आज के शुभ दिन के अवसर पर ड्रा के माध्यम से उनका मकान नंबर उन्हे प्राप्त हो गया है। उन्होने बहुत खुशी व्यक्त किये कि आज के शुभ दिन पर हमें लॉटरी के माध्यम से हमारा मकान मिल गया। श्रीमती सुनीता बेलदार के आंखो में एक अलग ही प्रशन्नता थी। उन्होने बताया कि आज अक्ति तिहार के दिन हमें ब्लाक क्रं. 16 मकान नंबर 04 मिला, यह हमारे परिवार के लिए बहुत ही शुभ होगा। अब हम परिवार सहित अपने स्वयं के मकान में रहूंगी। हमें अब किराये के मकान की आवश्यकता नहीं पड़ेगी।

प्रमुख स्थल एनार स्टेट खम्हरिया के 04 मकान, सूर्या विहार के पीछे खम्हरिया के 04 मकान, कृष्णा इंजीनियरिंग के पीछे खम्हरिया के 18 मकान एवं माईट स्टोन स्कूल के पीछे खम्हरिया के 01 मकानों का आबंटन खुली लाटरी पद्वति के माध्यम से किया गया। जिसमें से 06 हितग्राही परदेशी साय को ब्लाक क्रं. 8 मकान क्रं. 2, बासन नायक को ब्लाक क्रं. 8 मकान क्रं. 1, मंजू जैन को ब्लाक क्रं. 5 मकान क्रं. 2, भागवत प्रसाद ब्लाक क्रं. 5 मकान क्रं. 3, चन्द्रशेखर जनबन्धु को ब्लाक क्रं. 16 मकान क्रं. 2 एवं पी महालक्ष्मी को ब्लाक क्रं. ए2 मकान क्रं. 2 के भूतल का मकान आबंटित किया गया। सभी ने कहा अक्षय तृतीया के दिन हमारा लॉटरी निकला है। हम लोग पुरा पैसा जमा करके अपने मकान में जल्द ही रहने जायेगें।

आवास आबंटन के दौरान अधीक्षण अभियंता डी. के. वर्मा, कार्यपालन अभियंता विनिता वर्मा, प्रभारी अधिकारी आवास विद्याधर देवांगन, सीएलटीसी आदित्य ठाकुर, उत्पल शर्मा, किरण चतुर्वेदी, नम्रता सिंह ठाकुर, जी मोहन राव, जागेश्वर साहू, महेत्तर सोनी आदि उपस्थित रहे।

महापौर श्रीमती अलका बाघमार ने इंदिरा मार्केट से श्री शिवम मॉल तक ट्यूबलर नए पोल में लगी लाइट का किया शुभारंभ

शहर इंदिरा मार्केट से लेकर स्टेशन रोड श्री शिवम तक नए पोल पर 39 लाख से अधिक की लागत से हुआ रौशन

दुर्ग (विश्व परिवार)। नगर पालिक निगम क्षेत्र अंतर्गत 15वें वित्त आयोग निधि से स्वीकृति इंदिरा मार्केट से लेकर श्री शिवम शॉपिंग मॉल तक में ट्यूबलर नए पोल में लगी लाइट का मेयर श्रीमती अलका बाघमार ने 39 पोल में 86 लाइट व 110 वाट की एलईडी को बटन दबाकर चालू किया गया। 39 लाख से इंदिरा मार्किट से श्री शिवम तक सडक़ मार्ग रौशन हुआ, जिससे यातायात में आमजन को परेशानी नहीं होगी।शहर के प्रथम नागरिक मेयर श्रीमती अलका बाघमार ने कहा कि शहर के चौक चौराहों व सार्वजनिक स्थानों में भी शहर जगमगाने लगा है।

मेयर ने कहा कि वार्डो में बन्द पड़ी स्ट्रीट लाइट को लगातार बदलवाने का कार्य जारी है। उन्होंने कहा शेष बचे हुए स्ट्रीट लाइट व सौंदर्गीकरण निर्माण कार्य को शीघ्र पूरा करने की बात अधिकारियों से कही।

इंदिरा मार्केट कुँआ चौक के पास आज के पोल में लगे प्रकाश व्यवस्था शुभारंभ कार्यक्रम में उपस्थित सभापति श्याम शर्मा, आयुक्त सुमित अग्रवाल,विद्युत व यांत्रिकी प्रभारी ज्ञानेश्वर ताम्रकर,एमआईसी देवनारायण चन्द्राकर,नीलेश अग्रवाल,मनीष साहू,लीलाधर पाल की मौजूदगी रही।बात दे कि वार्ड क्रमांक30 श्याम शर्मा से,वार्ड27 पार्षद ममता सेन,वार्ड क्रमांक 29 बबिता गुड्डू यादव,वार्ड क्रमांक 8 खालिक रिजवी,वार्ड क्रमांक 26 आरएन वर्मा,वार्ड क्रमांक 28 मनीष बघेल इन 6 वार्डो से होकर गुजरने वाली इंदिरा मार्किट से श्री शिवम तक सडक़ मार्ग हुआ रौशन।

कार्यक्रम के दौरान कुलेश्वर साहू,कमल देवांगन,ममता सेन, मनीष कोठारी,मनीष बघेल,सरस निर्मलकर,युराज कुंजाम, बबिता गुड्डू यादव,जितेंद्र ताम्रकर, सहायक अभियंता सुरेश केवलानी,अभ्युदय मिश्रा,बालमुकुंद साहू, सफाई दरोगा,मनोहर शेन्द्रे सहित इंदिरा मार्किट व्यापारी संघ के दिलीप मारोटी ,गोपाल यादव,सहित अन्य लोग उपस्थित रहें।इदिरा मार्केट स्टेशन रोड लंबे समय से पार्षद सहित व्यपारियो की मांग पर नगर निगम द्वारा क्षेत्र का प्रोजेक्ट तैयार किया था। उसकी मंजूरी मिलने के बाद इसका टेंडर लगाया गया। इदिरा मार्केट स्टेशन रोड शिवम मॉल तक ट्यूबलर पोल में प्रकाश व्यवस्था कार्य 15वें वित्त आयोग निधि के अंतर्गत प्रकाश व्यवस्था हेतु प्राप्त स्वीकृति अनुसार 39 नए पोल में 86 लाइट लगवाया गया।इस अवसर पर आदि मौजूद रहें।

लोक कर्म प्रभारी ने ली समिति के सदस्यों व अधिकारियों के साथ निगम में विकास कार्यों को लेकर बैठक

प्रभारी देवनारायण चन्द्राकर ने शासकीय एवं अर्द्धशासकीय भवनों में रैन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम स्थापित कराया जाने के निर्देश

दुर्ग (विश्व परिवार)। नगर निगम महापौर श्रीमती अलका बाघमार के मार्गदर्शन में आज बुधवार को प्रभारी नगरीय नियोजन एवं लोक कर्म समिति में बैठक आयोजित किया गया। इस बैठक प्रभारी देवनारायण चन्द्राकर ने लोक कर्म विभाग से जुड़े अधिकारियों को विकास कार्यों को कार्यालयीन अवधि में उपस्थित रहकर कार्यों को करने के निर्देश दिए गए।

बैठक में लिए गए निर्णय- निगम सीमा अंतर्गत वार्ड के समस्त पार्षदों से राय लेकर 1.00 लाख तक बी.टी. रोड़ पेंच रिपेयरिंग कार्य कराए जाने हेतु प्रस्ताव बनाया जाएगा। निगम सीमा अंतर्गत समस्त शासकीय एवं अर्द्धशासकीय भवनों में रैन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम स्थापित कराया जाएगा। दुर्ग निगम क्षेत्रांतर्गत जितने भी भवन बनाए जाते हैं, उनमें रैन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम स्थापित होने के पश्चात् ही भवन पूर्णता प्रमाण पत्र दिया जाएगा। बिजली विभाग को पत्र दिया जाएगा कि बिना भवन पूर्णता प्रमाण पत्र एवं टैक्स की रसीद के स्थायी बिजली मीटर न दिया जाए।

अन्य निर्णय- नये विकसित होने वाले क्षेत्र पर कंटूर प्लान तैयार किया जाएगा। दुर्ग शहर सीमा अंतर्गत राजस्व विभाग से विभिन्न शासकीय जगहों की सूची मांगकर उन स्थानों पर वृक्ष लगाकर फेंसिंग कार्य किया जाएगा।निगम सीमा अंतर्गत जहा आवश्यक हो, वहां पर बारिश के पहले डस्ट डालने हेतु प्रस्ताव बनाया जाएगा।

बैठक में उपस्थित- नगरीय नियोजन एवं लोक कर्म समिति सदस्य संजय कोहले, कुलेश्वर साहू, कमल देवांगन, गुलाब वर्मा, गोविंद देवांगन, श्रीमती लोकेश्वरी ठाकुर, आशीष चंद्राकर, सरस निर्मलकर,कार्यपालन अभियंता वीपी मिश्रा, आरके जैन, भवन अधिकारी गिरीश दीवान, सहायक अभियंता संजय ठाकुर एवं ठाकरे। दुर्ग निगम का बड़ा फैसला- रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम नहीं तो जुर्माना।

दुर्ग निगम ने शहरवासियों के लिए एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। अब यदि कोई व्यक्ति अपने भवन में रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम नहीं लगाता है, तो उसे जुर्माना देना पड़ सकता है। यह निर्णय शहर में जल संचयन को बढ़ावा देने और भूजल स्तर को सुधारने के उद्देश्य से लिया गया है।

आहार दान का महापर्व है अक्षय तृतीया

बलौदाबाजार (विश्व परिवार)। बलौदाबाजार जैन समाज ने जैन धर्म के प्रथम तीर्थंकर ऋषभदेव जिन्हें आदिनाथ के नाम से भी जाना जाता है, का प्रथम आहार इक्षु रस (गन्ने का रस) जो, राजा श्रेयांश के हाथ अर्पित किया गया था। जब आदि प्रवर्तक दीक्षित होकर संत हुए किंतु वर्ष भर मिला न भोजन, अंतराय के उदय हुए, तब श्रेयांश सोम राजा के द्वारा दान पारणा से भक्तजन झूम उठे, जब यह घटना घटी थी तब अक्षय तृतीया थी ग्रंथों के अनुसार इस दिन जो भी शुभ कार्य किए जाते हैं उनका अक्षय फल मिलता है। बलौदा बाजार जैन समाज ने प्रथम दान महापर्व अक्षय तृतीया पर्व बड़े उत्साह से मनाया।जैन मंदिर परिसर के बाहर जैन महिला मंडल द्वारा गन्ने का रस आने जाने वाले लोगों को विनयपूर्वक वितरित किया गया जैन महिला मंडल के अध्यक्षा सुमन जैन, ममता जैन, ज्योति जैन, नविता जैन, सारिका जैन सुनिधि जैन, सुहाना जैन गुड़िया पृषा जैन वान्याजैन आदि के सहयोग से यह कार्य संपन्न हुआ समाज के अध्यक्ष दिनेश जैन सचिव अमित जैन मितेंद्र जैन ने बताया कि हमारे महिला मंडल का कार्य अतुलनीय है, समाज के सभी पर्व में बड़े ही उत्साह से भाग लेते हैं हम उनके आभारी हैं। कार्यक्रम में समाज के उपाध्यक्ष संजय जैन, मितेंद्र जैन, सुभाष जैन सुधीर जैन अक्षय जैन निक्की जैन संदीप जैन जितेंद्र जैन मचल जैन पुजारी जी प्रियांशु जैन आदि की उपस्थिति थी।

छत्तीसगढ़ में चारा परिवहन संघ की अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू

पदाधिकारियों ने कहा- मांगें नहीं मानी तो धरना जारी रहेगा

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ में चारा परिवहन संघ की अनिश्चितकालीन हड़ताल सोमवार से शुरू हो गई है। अपनी 5 सूत्रीय मांगों को लेकर प्रदेश भर से सैकड़ों की संख्या में चारा परिवहन संघ के सदस्य राजधानी रायपुर के धरना स्थल पर जुटे बड़ी संख्या में वाहन चालकों और परिवहन ठेकेदारों ने अपनी आवाज बुलंद की। हड़ताल की वजह से अब पशुओं को चारा सप्लाई प्रभावित होने का खतरा भी गहरा गया है। चारा परिवहन संघ के लेखराम साहू ने बताया कि, पुलिस और आरटीओ की चालानी से सभी परेशान है। मुख्य मांगों में सबसे बड़ा मुद्दा पैराकुट्टी वाहनों को टोल नाके से छूट देने का है। संघ का कहना है कि चारा ढोने वाले वाहनों से टोल टैक्स वसूलना गलत है, क्योंकि ये वाहन सीधे तौर पर किसानों और पशुपालकों से जुड़े हैं। संघ ने इसके अलावा चार और मांगें रखी हैं, जिनमें चारा सप्लाई से जुड़ी लाइसेंस प्रक्रिया में सरलता, परिवहन दरों में वृद्धि, परिवहन अनुबंधों का समय पर नवीनीकरण और सरकारी योजनाओं में शामिल किए जाने जैसी बातें शामिल हैं। आंदोलनकारियों का कहना है कि जब तक सरकार उनकी मांगों पर सकारात्मक निर्णय नहीं लेती, तब तक हड़ताल जारी रहेगी।धरना स्थल पर पहुंचे चारा परिवहन संघ के नेताओं ने कहा कि, वे बार-बार अपनी मांगों को लेकर प्रशासन से गुहार लगा चुके हैं, लेकिन अब तक केवल आश्वासन ही मिले हैं। ऐसे में मजबूर होकर उन्हें अनिश्चितकालीन हड़ताल का रास्ता चुनना पड़ा। बताया जा रहा है कि अगर जल्द समाधान नहीं निकला, तो आने वाले दिनों में कई जिलों में पशुओं के लिए चारा संकट गहरा सकता है। खास तौर पर गौशालाओं और डेयरी फार्मों में सबसे ज्यादा असर देखने को मिलेगा।

कलेक्टर डॉ. भुरे ने नगर निगम के कार्यों का लिया जायजा

कलेक्टर ने सुबह 7 बजे शहर में साफ-सफाई, पेयजल एवं अन्य व्यवस्थाओं का किया निरीक्षण

पेयजल की समस्या का निराकरण करने कर्मचारी ड्यूटी पर रहें तैनात

एजुकेशन हब निर्माण तथा नालंदा परिसर के लिए स्थल का किया निरीक्षण

राजनांदगांव (विश्व परिवार)। कलेक्टर डॉ. सर्वेश्वर नरेन्द्र भुरे ने आज राजनांदगांव शहर में मूलभूत सुविधा पेयजल, साफ-सफाई का हाल जानने सुबह 7 बजे शहर के विभिन्न स्थानों का जायजा लिया। कलेक्टर ने टांका घर का निरीक्षण कर टैंकर एवं गाडियों की जानकारी ली। साथ ही निर्माण कार्य निरीक्षण के तहत एजुकेशन हब निर्माण का जायजा लेकर नालंदा परिसर निर्माण के लिए संभावित स्थल का निरीक्षण कर अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इस दौरान नगर निगम आयुक्त श्री अतुल विश्वकर्मा उपस्थित रहे।

कलेक्टर डॉ. सर्वेश्वर नरेन्द्र भुरे ने कहा कि ग्रीष्म ऋतु के दृष्टिगत समय पर टैंकर पहुंचे तथा पेयजल एवं विद्युत संबंधी शिकायतों का समय पर निराकरण करें। उन्होंने पेयजल संबंधी शिकायतों का निराकरण करने के लिए कर्मचारी तैनात रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कामठी लाईन, हलवाई लाईन में साफ-सफाई का जायजा लेकर कहा कि यह एक व्यवसायिक क्षेत्र है, इसलिये यहां दुकान खुलने के पहले सडक्क एवं नाली की साफ-सफाई होने के बाद कचरा उठाने की व्यवस्था करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि दुकानों का कचरा डोर टू डोर कचरा संग्रहण गाडघे के माध्यम से करें तथा उनसे शत-प्रतिशत यूजर चार्ज वसूली करें। पेयजल की वस्तु-स्थिति जानने के लिए उन्होंने ब्राम्हणपारा क्षेत्र का भ्रमण किया तथा पार्षद सुश्री मणीभास्कर गुप्ता एवं अन्य लोगों से चर्चा की। कुछ क्षेत्रों में पानी कम आने की शिकायत पर उन्होंने परीक्षण कर इसका समाधान करने के निर्देश दिए। कलेक्टर डॉ. सर्वेश्वर नरेन्द्र भुरे ने एजुकेशन हब निर्माण कार्य का जायजा लेकर निर्माण संबंधी कार्यों जानकारी ली। उन्होंने कहा कि एजुकेशन हब का निर्माण लंबे समय से किया जा रहा है। निर्माण कार्य में तेजी लाकर कार्य शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए, ताकि इसका लाभ विद्यार्थियों को मिल सके। उन्होंने विद्यार्थियों को शिक्षा के क्षेत्र में ऑनलाईन सुविधा देने शासन द्वारा नालंदा परिसर निर्माण की परिकल्पना को साकार करने राजनांदगांव में नालंदा परिसर निर्माण के लिए शिवनाथ महाविद्यालय के पास की संभावित भूमि का निरीक्षण किया।

कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव, जिला- रायपुर (छ.ग.)
Email :birgaonmcp@gmail.com,
Website : www.nagarnigambirgaon.com

-: निगम अभिलेखों में नामांतरण की सूचना :-

नामांतरण प्रकरण क्र. 1009 दिनांक 30.04.2025
वार्ड का नाम- गुरू घासीदास वार्ड
वार्ड क्र. 01 वर्ष- 2024-25

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नानुसार भवन/भूमि जो कि निगम के संपत्ति कर मांग पंजी में वार्ड क्रमांक 01 मांग **पंजी क्र. 601 युआईडी** 10605 अनुसार अधिभोगी का नाम श्री/श्रीमती **राम भगत / दीपमाला** से दर्ज है, श्री/श्रीमती **सुरज देव / हरिचरण कुम्हार** अधिभोगी के द्वारा रजिस्ट्री/ लिखत द्वारा/ वंशानुक्रम/ बिक्रीनामा आधार पर अधिभोग प्राप्त कर नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत नामांतरण हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त अधिभोग परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो इस प्रकाशन के 30 दिन के भीतर/अथवा दिनांक **30-05-2025** तक प्रकरण क्रमांक सहित कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव में लिखित दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित समयावधि पश्चात किसी भी प्रकार की कोई दावा-आपत्ति स्वीकार्य नहीं होगी। दावा-आपत्ति प्राप्त नहीं होने की स्थिति में अधिभोगी के द्वारा देय राशि भुगतान उपरांत अधिभोगी के पक्ष में नामांतरण की कार्यवाही की जावेगी।

राजस्व अधिकारी
नगर पालिक निगम, बीरगांव
जिला-रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव, जिला- रायपुर (छ.ग.)
Email :birgaonmcp@gmail.com,
Website : www.nagarnigambirgaon.com

-: निगम अभिलेखों में नामांतरण की सूचना :-

नामांतरण प्रकरण क्र. 1010 दिनांक 30.04.2025
वार्ड का नाम- मां बंजारी धाम वार्ड
वार्ड क्र. 10 वर्ष- 2024-25

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नानुसार भवन/भूमि जो कि निगम के संपत्ति कर मांग पंजी में वार्ड क्रमांक **10** मांग **पंजी क्र. 767 युआईडी** 15058 अनुसार अधिभोगी का नाम श्री/श्रीमती **जनक राम धुरन्धर / काशीराम धुरन्धर** से दर्ज है, श्री/श्रीमती **दीप्ति वर्मा / जनक राम वर्मा** अधिभोगी के द्वारा रजिस्ट्री/ लिखत द्वारा/ वंशानुक्रम/ बिक्रीनामा आधार पर अधिभोग प्राप्त कर नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत नामांतरण हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त अधिभोग परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो इस प्रकाशन के 30 दिन के भीतर/अथवा दिनांक **30-05-2025** तक प्रकरण क्रमांक सहित कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव में लिखित दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित समयावधि पश्चात किसी भी प्रकार की कोई दावा-आपत्ति स्वीकार्य नहीं होगी। दावा-आपत्ति प्राप्त नहीं होने की स्थिति में अधिभोगी के द्वारा देय राशि भुगतान उपरांत अधिभोगी के पक्ष में नामांतरण की कार्यवाही की जावेगी।

राजस्व अधिकारी
नगर पालिक निगम, बीरगांव
जिला-रायपुर (छ.ग.)

न्यायालय तहसीलदार गरियाबंद
जिला-गरियाबंद (छ.ग.)
रा.प्र.क्र.202504221300020/ब-121
वर्ष 2024-2025
ग्राम मरौदा, प.ह.नं. 09

इश्तिहार

एतद् द्वारा सर्वसाधरण को सूचित किया जाता है कि आवेदक **शिशुपाल पिता अक्तु जाति हल्बा निवासी ग्राम मरौदा, तहसील व जिला गरियाबंद** (छ.ग.) के द्वारा ग्राम **मरौदा, प.ह.नं. 09 रा.नि.म. व तहसील व जिला गरियाबंद** में आवेदक अपने **दादी जगोति बाई का मृत्यु दिनांक 29.07.2008** को हो जाने पर मृत्यु प्रमाण-पत्र प्रदाय करने हेतु आवश्यक दस्तावेज सहित आवेदन पेश किया गया हैं।

उपरोक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति / संस्था / शासकीय / अर्द्धशासकीय निकाय या अन्य संस्था को किसी भी प्रकार की दावा/आपत्ति हो तो वे स्वयं या अपने अधिवक्ता या आम मुख्तयार के जरिये **दिनांक 13.05.2025** तक पेश कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा / आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा।

आज **दिनांक 29.04.2025** को मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय के सील मुद्रा से जारी किया गया।

मुहर
तहसीलदार
गरियाबंद

न्यायालय तहसीलदार गरियाबंद
जिला-गरियाबंद (छ.ग.)
रा.प्र.क्र.202504221300019/ब-121 वर्ष 2024-2025
ग्राम मरौदा, प.ह.नं. 09

इश्तिहार

एतद् द्वारा सर्वसाधरण को सूचित किया जाता है कि आवेदक **शिशुपाल पिता अक्तु जाति हल्बा निवासी ग्राम मरौदा, तहसील व जिला गरियाबंद** (छ.ग.) के द्वारा ग्राम-**मरौदा, प.ह.नं. 09 रा.नि.म. व तहसील व जिला गरियाबंद** में आवेदक अपने दादा बिपत का मृत्यु **दिनांक 15.01.1992** को हो जाने पर मृत्यु प्रमाण-पत्र प्रदाय करने हेतु आवश्यक दस्तावेज सहित आवेदन पेश किया गया हैं।

उपरोक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति / संस्था / शासकीय / अर्द्धशासकीय निकाय या अन्य संस्था को किसी भी प्रकार की दावा/आपत्ति हो तो वे स्वयं या अपने अधिवक्ता या आम मुख्तयार के जरिये **दिनांक 13.05.2025** तक पेश कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा।

आज **दिनांक 29.04.2025** को मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय के सील मुद्रा से जारी किया गया।

मुहर
तहसीलदार
गरियाबंद

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

दैनिक
विश्व परिवार

बिलासपुर संभाग

रायपुर गुरूवार 01 मई 2025

आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, सहायिका और बाल संरक्षण योजना के अंतर्गत भर्ती समय पर पूर्ण करने के दिए निर्देश

गोपनीयता और पारदर्शिता का सम्पूर्ण ध्यान रखकर भर्ती की प्रक्रिया पूरी हो : कलेक्टर

कलेक्टर ने महिला एवं बाल विकास विभाग की ली समीक्षा बैठक

कोरबा(विश्व परिवार)। कलेक्टर श्री अजीत वसंत ने महिला एवं बाल विकास विभाग की योजनाओं की समीक्षा की। उन्होंने डीपीओ को निर्देशित किया कि परियोजनावार आंगनबाड़ी केंद्रों में रिक्त आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिका के रिक्त पदों पर षीघ्र भर्ती की प्रक्रिया पूर्ण करें। उन्होंने एकीकृत बाल संरक्षण योजना अंतर्गत विभिन्न रिक्त पदों पर भी षीघ्र भर्ती प्रक्रिया पूर्ण करने के निर्देष देते हुए परीक्षा के आयोजन के दौरान प्रष्न पत्र तैयार करने से लेकर अन्य प्रक्रिया तक गोपनीयता को ध्यान रखने और पारदर्षी तरीके से भर्ती पूर्ण करने के निर्देष दिए। कलेक्टर ने नगरीय एवं ग्रामीण क्षेत्रों में भवन विहीन आंगनबाड़ी केन्द्रों की जानकारी लेते हुए निर्देषित किया कि नए भवन की स्वीकृती से पूर्व संबंधित परियोजना अधिकारी यह परीक्षण कर लें की पूर्व में उक्त आंगनबाड़ी भवन हेतु स्वीकृती तो नहीं है। उन्होंने 0-6 वर्ष तक के बच्चों का आधार सत्यापन के कार्यो में प्रगति लाने के निर्देष दिए। कलेक्ट्रेट सभा कक्ष में महिला एवं बाल विकास विभाग की समीक्षा बैठक लेते हुए कलेक्टर श्री वसंत ने विभाग के अंतर्गत संचालित योजनाओं की समीक्षा की उन्होंने सभी आंगनबाड़ी केन्द्रों में समय पर कार्यकर्ताओं एवं सहायिकाओं की उपस्थिति सुनिष्चत करते हुए बच्चों की उपस्थिति बढ़ाने और नियमित मॉनिटरिंग के निर्देष दिए। कलेक्टर ने सभी आंगनबाड़ी केन्द्रों में गैस का उपयोग करते हुए भोजन पकाने के निर्देष दिए। उन्होंने सभी परियोजना अधिकारियों को आंगनबाड़ी केन्द्र वार मॉनिटरिंग करने के निर्देष देते हुए कहा कि किसी आंगनबाड़ी केन्द्र में लकड़ी से चूल्हाजलाने की षिकायत प्राप्त होने पर संबंधित सीडीपीओ के विरूद्ध कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने ग्रोथ मॉनिटरिंग, पूरक पोषण आहार, फेषियल रिकॉजनेषन द्वारा टीएचआर का वितरण, पोषण पखवाड़ा, नवा विहान, सखी वन स्टाप सेंटर, मिषन वात्सल्य, किषोर न्याय बोर्ड, जिले में बाल देख रेख संस्था की जानकारी, षासकीय बाल संप्रेषण गृह, चाइल्ड हेल्प लाईन, बाल विवाह रोकथाम, आंगनबाड़ी केन्द्र में षौचालय निर्माण सहित अन्य विषयों पर चर्चा की और दिषा निर्देष दिए। कलेक्टर ने रेडी टू ईट हेतु समूह का चयन एवं युनिट स्थापना की प्रक्रिया को 1 माह के भीतर करने के निर्देष दिए। उन्होंने सुषासन तिहार अंतर्गत विभाग को प्राप्त आवेदन का गुणवत्तापूर्ण निराकरण के निर्देष दिए। कलेक्टर ने पोषण देख रेख कार्यक्रम के तहत जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने और जरूरत मंद बच्चों को लाभांवित करने के निर्देष दिए। इस दौरान महिला एवं बाल विकास के अधिकारी उपस्थित थे।

कलेक्टर ने जनदर्शन में सुनी आम नागरिकों की शिकायतें

कुल 120 आवेदन हुए प्राप्त

कोरबा(विश्व परिवार)। कलेक्टर जनदर्शन में कलेक्टर श्री अजीत वसंत ने आमनागरिको की समस्याओं को सुना। उन्होंने जनदर्शन में प्राप्त सभी आवेदनों को सम्बंधित अधिकारियों को प्रेषित कर समय-सीमा के भीतर निराकरण के निर्देश दिए हैं। जन दर्शन में कुल 120 आवेदन प्राप्त हुए। कलेक्टर जनदर्शन में भूमि सीमांकन,पट्टा,खाता विभाजन, जाति प्रमाण पत्र, पेंशन, वन अधिकार पत्र, प्रधानमंत्री आवास,राशनकार्ड,बिजली बिल,आदि के आवेदन प्राप्त हुए। ग्राम बांधाखार निवासी निषा नायक ने जाति प्रमाण पत्र बनाने के लिए आवेदन दिया। अखरापाली के सुरेष केवट ने भूमि संबंधी आवेदन प्रस्तुत किया। चोटिया के सम्मान सिंह और ष्यामदास ने बालको प्रबंधन द्वारा अनुचित श्रम व्यवहार पर कार्यवाही करने की मांग की। ग्राम पथरी के चेतराम कौषिक और विजय कौषिक ने नक्षा बटाकंन,की अर्जी लगाई। समारु सिंह ने ग्राम सिंदूरगढ़,पसान में मनरेगा से भूमि समतलीकरण और बकरी रोड निर्माण की मांग की। ज्ञानेन्द्र कुमार और राकेष कुमार के द्वारा वार्ड नंबर 44 नेहरूनगर में किए गए बेजा कब्जा की षिकायत की। गेराव के सरपंच के द्वारा ग्राम बस्ती में नवीन पूर्व माध्यमिक षाला खोलने की मांग की गई। ग्राम पंचायत बनिया के सरपंच ने हाथियों के द्वारा की गई फसल नाष का मुआवजा ग्रामीणों को देने की मांग की। जवाहर लाल,रमेष कुमार एवं अन्य के द्वारा पटवारी पद पर अनुकंपा नियुक्ति होने पर उनका प्रषिक्षण कराए जाने की मांग की। रामपुर वार्ड नंबर 37 की निवासी सरिता दास ने विधवा पेंषन की अर्जी लगाई। तिलकेजा के रामलाल यादव ने प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत स्वीकृत आवास की षेष राषि भुगतान कराने की मांग की। कुदमुरा निवासी मुकेष उरांव ने अपनी भूमि का सीमांकन कराने की मांग की। इसी तरह दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्र लामपहाड़ की पहाड़ी कोरवा फगिनी बाई ने जनदर्षन में वन अधिकार पत्र प्रदाय करने के लिए आवेदन दिया।

बारिश और गंदे पानी की निकासी हर हाल में हो - व्यवसायिक

कोरबा(विश्व परिवार)। बारिश और गंदे पानी की निकासी हर हाल में हो आम नागरिक एवं व्यवसायिक चाहते हैं। कोई यह नहीं चाहता कि पानी का जमाव कहीं पर भी हो और इससे समस्याएं उत्पन्न हो। पावर हाउस रोड मे रहने वाली बड़ी आबादी ऐसी ही समस्या से लंबे समय से जूझ रही हैं। उन्होंने आयुक्त के ध्यान में इस समस्या को लाया है और कहा है कि इस बारिश से पहले समाधान हो जाना चाहिए। इस इलाके में रहने वाले गोपाल अग्रवाल, प्रमोद, अरनव, एचपीएस साहू और अन्य नागरिकों ने जल जमाव की समस्या से हो रही परेशानी निगम आयुक्त आशुतोष पांडे के संज्ञान में लाई है। लोगों ने आयुक्त से भेंट की और उन्हें बताया कि पावर हाऊस रोड बाईपास केनाल रोड के समीप दर्जनों आवासीय परिसर एवं वर्षा ऋतु की पानी नहर में निकासी के रूप में होती थी। लेकिन पिछले वर्षों में अनियोजित विकास के अंतर्गत पार्किंग एवं सिटी सेंटर मॉल निर्माण इस क्षेत्र में हुआ है। यह बात अलग है कि इसके लिए संबंधित संस्था ने निर्माण की अनुमति प्रदान की। इस दौरान कई चीजों को ध्यान में नहीं रखा गया। इसके कारण उपरोक्त आवासीय परिसर एवं बारिश का पानी दो वर्षों से पावर हाऊस रोड तक पहुंच जा रहा है। नगर निगम के संज्ञान में इस बात को प्रमुख रूप से लाया गया है कि लंबे समय से जिस इलाके से होकर पानी निकासी की व्यवस्था थी, उसी जगह पर करोड़ों की लागत से पार्किंग का निर्माण करा दिया गया है।

बारिश के बाद जलजमाव से इमलीछापर में बनी समस्या, लोग परेशान

कोरबा(विश्व परिवार)। सोमवार को हुई बारिश के कारण ऊर्जाधानी के कई इलाके में पानी भर गया। स्थिति वहां ज्यादा खराब हुई, जहां पानी की निकासी के लिए जगह नहीं है। सडक पर पानी जमा होने से लोगों को आने-जाने में काफी परेशानी हुई। जलजमाव के कारण ज्यादा खराब स्थिति कुसमुंडा में इमलीछापर में निर्माणाधीन ओवरब्रिज के आसपास की रही। सडक किनारे पानी निकासी के लिए जगह नहीं है। इस बीच सोमवार को हुई तेज बारिश के कारण आसपास का पानी इमलीछापर चैक के करीब ओवरब्रिज निर्माणास्थल पर आकर एकत्र हो गया। यहां पानी इतना भर गया कि सडक दिखाई नहीं दे रही थी। लोगों का आना-जाना भी मुश्किल हो गया। जरूरी कार्य से लोग पानी में गाडियां दौड़ाते रहे। स्थानीय लोगों ने बताया कि इमलीछापर चैक के आसपास ओवरब्रिज निर्माणाधीन है। लेकिन कई माह से ब्रिज बनाने का काम बंद है। इसे बनाने वाली कंपनी ने पहले भी लोगों से वादा किया था कि वह बारिश के पानी की निकासी के लिए आसपास के क्षेत्रों में व्यवस्था करेगी। लेकिन कंपनी ने वादाखिलाफी किया। जल की निकासी के लिए कोई काम नहीं किया। इसका असर यह हुआ कि सोमवार को जब तेज बारिश हुई तब इमलीछापर की सडक पानी से भर गया। स्थानीय लोगों ने बताया कि इसके पहले भी निर्माणाधीन ओवरब्रिज के पास लोगों को परेशानी हुई थी। लेकिन इससे कोई सबक नहीं लिया गया।

जिला पंचायत सभाकक्ष में सामान्य सभा व सामान्य प्रशासन समिति की बैठक का हुआ आयोजन

जिला पंचायत अध्यक्ष द्वारा उपस्थित जनों को दिलाया गया जल शपथ

सूरजपुर(विश्व परिवार)। जिला पंचायत अध्यक्ष मती चंद्रमणी देवपाल सिंह पैकरा की अध्यक्षता में आज जिला पंचायत कार्यालय सूरजपुर के सभाकक्ष में सामान्य सभा व सामान्य प्रशासन समिति की बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें जिला पंचायत अध्यक्ष मती चंद्रमणी देवपाल सिंह पैकरा ने अपने संबोधन में जिला प्रशासन के अधिकारियों के साथ बेहतर समन्वय स्थापित करने और आमजन के हितों को ध्यान में रखते हुए कार्य करने की बात कही। उन्होंने शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र हितग्राही को मिले, इस पर सभी अधिकारियों को विशेष रूप से प्राथमिकता देने की बात भी कही।बैठक में शिक्षा, स्वास्थ्य, बिजली, 15 वें वित्त के कार्य, जल संधारण जैसे मूलभूत सुविधाओं को लेकर गहन चर्चा की गई। इस अवसर जिला पंचायत अध्यक्ष द्वारा उपस्थित जन को जल शपथ भी दिलाया गया, जिसमें उपस्थित जनों को जल के बचाव व उसके विवेकपूर्ण उपयोग हेतु प्रेरित किया गया। बैठक में जिला प्रशासन के सर्व विभाग प्रमुख से, सभी नवनिर्वाचित सदस्यों का औपचारिक रूप से परिचय कराया गया। इस दौरान उपस्थित अधिकारियों द्वारा उनके विभाग द्वारा संचालित केंद्रीय व राज्य शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं व उनके क्रियान्वयन की अद्यतन स्थिति की जानकारी उपस्थित सदस्यों को उपलब्ध कराई गई। इसके अंतर्गत विभिन्न विभागीय योजनाओं एवं कार्यक्रमों की संक्षेप में जानकारी दी गई। संबंधित विभागों के अधिकारियों ने योजनाओं की प्रगति, चुनौतियों एवं आगामी कार्य योजनाओं के बारे में सदस्यों को अवगत कराया। इसके साथ ही एजेंडा वार विभिन्न बिंदुओं पर क्रमवार चर्चा की गई। जिला पंचायत सीईओ मती कमलेश नंदिनी साहू द्वारा धन्यवाद ज्ञापित कर बैठक का समापन किया गया। बैठक में प्रेम नगर विधायक भूलन सिंह मराबी,मती रेखा राजलाल राजवाड़े(जिला पंचायत उपाध्यक्ष),जनपद अध्यक्ष सूरजपुर मती स्वाति संत सिंह, मती योगेश्वरी लक्ष्मण राजवाड़े, मती कलेश्वरी लखन कुर्रे, नरेन्द्र यादव, मती किरण सिंह केराम,मती कुसुम सत्यनारायण सिंह, बाबूलाल सिंह मरापो, सु मोनिका सिंह अन्य जनप्रतिनिधि व संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

बालको ने टाको के साथ पशु कल्याण कार्यक्रमों के तीन वर्ष किए पूरे, 5,000 से अधिक पशुओं को लाभ पहुंचा

कोरबा-बालकोनगर(विश्व परिवार)। भारत की आईकॉनिक एल्यूमिनियम उत्पादक और वेदांता एल्यूमिनियम की इकाई भारत एल्यूमिनियम कंपनी लिमिटेड (बालको) करुणा, देखभाल और सह-अस्तित्व की संस्कृति को बढ़ावा देकर पशु कल्याण हेतु अपनी प्रतिबद्धता को और मजबूत कर रही है। अनिल अग्रवाल फाउंडेशन की पहल द एनिमल केयर ऑर्गनाइजेशन (टाको) ने अपनी सेवा के तीन वर्ष पूरे कर लिए हैं। मानव, पशु और पर्यावरण कल्याण के परस्पर संबंध पर जोर देने वाले 'वन हैल्थ' विजन में निहित, टाको एक राष्ट्रीय आंदोलन बन गया है, जो आश्रय, अस्पताल, अकादमी, वन्यजीव संरक्षण, आपदा राहत और क्षेत्र विकास के अपने छह स्तंभों के माध्यम से देखभाल को बढ़ावा देता है। इस मिशन में एक ऑन-ग्राउंड पार्टनर के रूप में बालको ने इस विजन को कोरबा, छत्तीसगढ़ में यथार्थ प्रभाव में बदलने में मदद की है। पिछले तीन वर्षों में, पशु कल्याण में बालको की ढांचागत कोशिशों ने 5,000 से अधिक पशुओं पर सकारात्मक असर डाला है, जो इस उद्देश्य के लिए बढ़ती प्रतिबद्धता को दर्शाता है। पशु कल्याण के लिए उठाए गए कदम जैसे कि जिला पशु चिकित्सा विभाग के साथ साझेदारी में 3,000 से अधिक रिफ्लेक्टिव कॉलर का वितरण सड़क दुर्घटनाओं को रोकने में मदद करता है। इन्हें चार पशु चिकित्सा स्वास्थ्य शिविरों द्वारा मुमकिन बनाया गया, जिससे 2,500 से अधिक मवेशियों को लाभ हुआ, जिसमें कृमिनाशक, घाव की देखभाल और प्रजनन स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की गईं, जिससे स्थानीय किसानों को प्रत्यक्ष मदद मिली जो अपनी आजीविका के लिए पशुधन पर निर्भर हैं। इन प्रयासों के आधार पर बालको ने लक्षित स्वास्थ्य पहल के माध्यम से आवारा कुत्तों के कल्याण के लिए भी काम किया है। टाको के सहयोग से, रेबीज जैसी जूनोटिक बीमारियों को रोकने के उद्देश्य से अभियान के तहत 300 से अधिक कुत्तों को टीका लगाया गया। इसके अलावा, अत्यधिक गर्मी की चुनौतियों को समझते हुए आवारा पशुओं के लिए वाटर बाउल चैलेंज शुरू किया गया, जिसमें अधिक भीड़-भाड़ वाले इलाकों में हाइड्रेशन बाउल रखे गए और सामुदायिक भागीदारी को प्रोत्साहित किया गया।

एसईसीएल कर्मी ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

कोरबा(विश्व परिवार)। जिले के कुसमुंडा थाना अंतर्गत एक एसईसीएल कर्मी ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच में जुट गई। जानकारी के अनुसार कुसमुंडा परियोजना में केटेगिरी वन कर्मी गोपाल राम पिता धनसाय उम्र 42 वर्ष भटगांव निवासी वर्तमान में विकास नगर कुसमुंडा के एम 444 में निवासरत था। उसके साथ सूरत लाल भी एक ही क्वार्टर में रहता था। सूरत बीते सोमवार को अपने गांव चला गया था आज मंगलवार की सुबह गोपाल से संपर्क करने के लिए उसके साथियों ने प्रयास किया उसे फोन भी लगाया,साथ ही क्वार्टर का दरवाजा भी खटखटाया पर किसी प्रकार से उससे संपर्क नही हो पा रहा था। ऐसे में अनहोनी की आशंका में कुसमुंडा पुलिस से संपर्क किया गया। पुलिस मौके पर पहुंची,खटखटाने पर कोई आवाज नहीं होने पर पड़ोसियों के सामने दरवाजे को तोड़ा गया,जिसके बाद का दृश्य देख सभी हतप्रभ रह गए। कर्मी ने कमरे में लगे पंखे में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी। पुलिस ने शव को फंदे से उतार कर पंचनामा कार्यवाही कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया हैं। बताया जा रहा की मृतक का परिवार भटगांव क्षेत्र में निवासरत है,जिन्हे सूचना दी गई है।

संक्षिप्त समाचार

भीषण गर्मी में राहत का ठिकाना बना स्काउट गाइड का प्याऊ घर

सूरजपुर(विश्व परिवार)। गर्मी के बढ़ते कहर से जहां आम जनजीवन बेहाल है, वहीं भारत स्काउट गाइड संगठन ने राहत पहुंचाने के लिए प्याऊ घर खोलने की सराहनीय पहल की है। गर्मी के मौसम को देखते हुए भारत स्काउट एवं गाइड छत्तीसगढ़ के आदेशानुसार एवं जिला आयुक्त मती भारती वर्मा के निर्देशन में विकासखंड शिक्षा अधिकारी पदेन स्काउट कमिश्नर पंडित भारद्वाज, एबीईओ मनोज साहू के कुशल मार्गदर्शन में रामानुजनगर में प्याऊ घर का शुभारंभ किया गया। प्रथम छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण बैंक के पास प्याऊ घर की शुभारंभ अगरबत्ती जलाकर शशिनाथ तिवारी, बीईओ पंडित भारद्वाज, एबीईओ मनोज साहू, बैंक मैनेजर लालमन साहू, प्राचार्य हेम साय, शिव सिंह, साधना न्यूज प्रमुख ऋषि दुबे एवं स्काउट गाइड के द्वारा किया गया। गर्मी में पानी के लिए लोगों को यहां वहां भटकना न पड़े, इसके लिए अलग-अलग स्थान पर पानी की व्यवस्था की जा रही है। नगर में आवश्यक स्थानों पर स्काउट गाइड द्वारा प्याऊ घर बनाये जाने की योजना है। राज्य से स्काउट गाइड को इस सेवा को संचालन करने की जिम्मेदारी दी गई है। स्काउट गाइड का उद्देश्य बचपन से ही विद्यार्थियों में समाज सेवा और राष्ट्र सेवा की भावना जगाना है, और यह प्याऊ व्यवस्था इस दिशा में एक सराहनीय प्रयास है, इस पहल से लोगों को गर्मी में राहत मिलती है और स्काउट्स के सेवा कार्य को बढ़ावा मिलता है। स्काउट गाइड संगठन के ब्लॉक सचिव विजेन्द्र साहू ने बताया कि जरूरत मंद लोगों को सुविधा देना नेक का काम है। हमें जो दायित्व मिला हुआ है, उसका बेहतर तरीके से निर्वहन किया जाएगा। राहगीरों के लिए सर्व प्रथम ग्रामीण बैंक एवं बस स्टैण्ड रामानुजनगर में प्याऊ घर की शुरुआत की गई तथा आगे सेन्ट्रल बैंक एवं बाजार चौक में भी शुरू करने की योजना है। कार्यक्रम में स्काउट मास्टर जाकिर हुसैन, नंद कुमार सिंह, योगेश साहू, कांत पांडेय, राजेश कुमार चौधरी, नितिन सिन्हा, गाइड प्रभारी मती धनसरी राजवाड़े, गुड्डी राही एवं स्काउट्स/गाइड्स उपस्थित थे।

गर्लफ्रेंड को मोबाइल गिफ्ट देने के लिए बना चोर

बिलासपुर(विश्व परिवार)। न्यायधानी बिलासपुर में एक युवक ने अपनी गर्लफ्रेंड को मोबाइल गिफ्ट करने की चाह में अपराध की राह पकड़ ली। युवक ने अपने दो दोस्तों के साथ मिलकर एक अंग्रेजी प्रीमियम शराब दुकान में चोरी की साजिश रची और करीब 1 लाख रुपये नकद पर हाथ साफकर दिया। यह वारदात तारबाहर थाना क्षेत्र में 22 अप्रैल को अंजाम दी गई थी। पुलिस के अनुसार, आरोपी संजू बेरिया (20 वर्ष) ने पूछताछ में कबूला कि वह अपनी गर्लफ्रेंड को मोबाइल देना चाहता था, लेकिन पैसे न होने की वजह से उसने यह कदम उठाया। चोरी की योजना बनाने के बाद, आरोपियों ने शराब पी और फिर संजू ने बाथरूम के रास्ते दुकान में घुसकर दराज से 97,800 रुपये चुरा लिए। बाद में चोरी की रकम से पार्टी की गई और संजू ने मोबाइल खरीदा। सीसीटीवी फुटेज और मुखबिर की सूचना के आधार पर थाना प्रभारी कृष्णचंद सिदार की टीम ने पुराना बस स्टैंड क्षेत्र से संजू बेरिया, धरपोंगा चतुरबेदानी (20 वर्ष) और अजित कुमार राजवाड़े उर्फगोलू (27 वर्ष) को गिरफ्तार कर लिया। चोरी के पैसों से खरीदा गया मोबाइल भी जब्त कर लिया गया है।

नो एंट्री में गाडियों को छूट बीएमइस ने किया प्रदर्शन

कोरबा(विश्व परिवार)। जिले के कोयलांचल गेवरा दीपका में गाडियों का जाम लगने से लोग परेशान है। आवागमन में भी समस्या उत्पन्न हो गई। दावा किया जा रहा है कि नो एंट्री के बावजूद नजराना लेकर गाडियों को छूट दी जा रही है । इसके कारण जाम लग रहा है। भारतीय मजदूर संघ की कोयला इकाई ने इस मामले को लेकर आज प्रदर्शन किया और संबंधित अफसर पर निशाना साधा। कोलफील्ड गेवरा दीपका में भारी वाहनों के लिए रात्रि 10 से सुबह 6.00 बजे तक नो एंट्री लगाई गई है और इसका पालन करना है। अर्थात इस समय अवधि में भारी वाहनों का प्रवेश करना वर्जित है। कागज में नियम बना देने के बाद निगरानी करने की जिम्मेदारी अधिकारियों की है लेकिन ऐसा हो नहीं रहा है। नतीजा यह है कि नो एंट्री के बावजूद भारी वाहनों को आगे बढ़ाने का भरपूर मौका दिया जा रहा है। पिछले कुछ दिन से इस प्रकार की गतिविधियां यहां पर चल रही हैं। इसके परिणामस्वरूप इस इलाके में चैतरफा जाम के नजारे निर्मित हो गए। प्रगति नगर से लेकर खदान जाने वाले रास्ते तक जाम के साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड के कर्मचारियों के अलावा आम लोग परेशान हुए। आज सुबह इस नजारे को देखने के बाद भारतीय मजदूर संघ की स्थानीय यूनिट ने विरोध दर्ज कराया और मौके पर चक्का जाम कर दिया। उनका आरोप है कि सुरक्षा एजेंसी के अलावा अन्य लोग इस मामले में रुपया लेकर नो एंट्री में भी गाडियों को प्रवेश कर रहे हैं जिसके कारण हालात बिगड़े हुए हैं।

दैनिक
विश्व परिवार

विचार-पक्ष

रायपुर गुरूवार 01 मई 2025

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

संपादकीय

निशिकांत दुबे का तल्ख अंदाज

वक्फ (संशोधन) अधिनियम के कुछ विवादास्पद प्रावधानों पर सुप्रीम कोर्ट द्वारा सवाल उठाए जाने पर भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने तल्ख अंदाज में सुप्रीम कोर्ट पर निशाना साधते हुए कहा कि कानून यदि शीर्ष अदालत ही बनाएगी को संसद भवन को बंद कर देना चाहिए। दुबे ने 'एक्स' कर अपने पोस्ट में अपने कथन की बिना व्याख्या किए यह सब लिखा है। इसी तरह का बयान भाजपा के राज्य सभा सदस्य दिनेश शर्मा ने भी दिया है। अपने नेताओं के बयानों से घिरी भाजपा ने औपचारिक रूप से खुद को इन बयानों से अलग कर लिया है। पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा ने शब्द कहा कि दुबे या शर्मा के बयान उनके व्यक्तिगत विचार है, और पार्टी इनसे सहमत नहीं है।भाजपा सांसदों के बयानों पर कांग्रेस सांसद मणिकम टैगोर ने पलटवार करते हुए इन बयानों को अपमानजनक बताया। दुबे और शर्मा की टिप्पणियां ऐसे समय आई हैं, जब वक्फ (संशोधन) अधिनियम की संवैधानिकता को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर शीर्ष अदालत में सुनवाई चल रही है। यह अधिनियम इस महीने की शुरुआत में संसद ने पारित किया था। अदालत द्वारा इस कानून के कुछ विवादास्पद प्रावधानों पर सवाल उठाए जाने के बाद केंद्र सरकार ने अगली सुनवाई तक उन्हें लागू न करने पर सहमति व्यक्त की है। इससे पहले उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा था कि देश में ऐसे लोकतंत्र की कल्पना नहीं की थी, जहां न्यायाधीश कानून बनाएंगे और कार्यकारी जिम्मेदारी निभाएंगे और 'सुपर संसद' के रूप में काम करेंगे। दरअसल, धनखड़ सुप्रीम कोर्ट के उस आदेश का जिक्र कर रहे थे जिसमें राष्ट्रपति को तीन महीने के भीतर विधेयक पर फैसला लेने की समय-सीमा तय की गई है। उनका कहना था कि पहली दफा है जब राष्ट्रपति को तय समय में फैसला लेने को कहा जा रहा है। शीर्ष अदालत द्वारा कोई सवाल उठाने या मौखिक टिप्पणी करने पर असहज होना परिपक्वता की कमी का परिचायक है। वैसे भी ये सवाल किसी राजनीतिक दल या व्यक्ति द्वारा नहीं उठाए थे कि इनमें राजनीतिक अर्थ खोजे जाएं। सुप्रीम कोर्ट और देश की तमाम अदालतें हमारे लोकतंत्र का अभिन्न अंग हैं। संविधान के संरक्षण का मजबूत आधार हैं। उत्पीड़ित महसूस कर रहा पक्ष अदालत का दरवाजा खटखटाता है। उसे विश्वास होता है कि उसका पक्ष अनसुना नहीं रहेगा। अदालतों पर उसका विश्वास है, जो किसी सूरत डमगमाना नहीं चाहिए। राजनीतिक मंतव्यवश हल्की बयानबाजी से बचा चाहिए।

पवित्र मन के मित्र मजदूर...

सृष्टि के आरंभ से ही मजदूर वर्ग का जन्म हुआ।मानव समाज का यह एक ऐसा वर्ग है जो आजीवन दूसरों का बोझ अपने सिर पर लेकर चलता है।कम दाम पर अधिक काम बड़े आराम से कर देता है।खुद के सिर पर छत नहीं होता,हाथ पावं में फफोले होते हैं पर दूसरों की आलीशान कोठी बनाने में कोताही नहीं करता।इसी लिए तपती धूप,कड़कती ठंढ और भीषण बारिश भी मजदूर की मेहनत को झूककर सलाम करते हैं। मजदूर की बलशाली भुजाओं को देखकर कठोर चट्टान,ऊंचे पर्वत कांपते हैं। ऐसे बाहुबली मजदूरों का अपने साथ-साथ अपने परिवारजनों के जीवन यापन,रोजी रोटी हेतु दूसरों का बोझ उठाना अगर मजबूरी है तो मजदूर की ताकत के दम पर ही गंतव्य तक पहुंचाना,नव निर्माण कार्य को पूरा करना समाज के अन्य वर्गों की भी मजबूरी है।अत्याधुनिक मशीनों के आविष्कार ने आज के युग को जेट युग बना दिया है। तेज रफ्तार ही तेज प्रगति की पर्याय बनती जा रही है। ऐसे दौर में भी मजदूरों की अहमियत बरकरार है। उनका स्थान पूरी तरह से मशीन नहीं ले सकी है।तात्पर्य यही है कि धरा पर 卐भगवान विश्वकर्मा卐 की भांति मजदूरों की अहमियत मानव समाज में सदैव बनी रहेगी।

गांव शहर की चहल पहल,कल कारखानों की कल- कल कल- कल को चलायमान रखने वाले मजदूरों ने सर्वप्रथम अमेरिका में 1 मई 1886 को अपने हक की लड़ाई लड़ी और एक दिन में आठ घंटे कार्य की समय सीमा को निर्धारित करने में कामयाबी पाई,यद्यपि इस आन्दोलन में मजदूरों की मौत भी हुई। आज भारत सहित अन्य देशों में भी कार्य समयावधि आठ घंटा मान्य है। इसी आंदोलन के बाद से एक मई को अंतरराष्ट्रीय मजदूर दिवस मनाने की आधारशिला रखी गई।भारत में 1 मई 1923 से मजदूर दिवस मनाने की शुरुआत चेन्नई से हुई थी। अंतरराष्ट्रीय मजदूर दिवस कड़ी मेहनत से उपजी उन्नति से प्रेरणा लेकर आगे और बेहतर करने हेतु संकल्प लेने का दिवस होता है। मजदूरों के जीवन में जश्न के साथ नव ऊर्जा को संचारित करने का दिवस होता है। मजदूरों को अपने अधिकारों के प्रति जागरूक बनाने का दिवस होता है।शोषणकर्ताओं के विरुद्ध साझा संघर्ष के लिए एक जुट होने का दिवस होता है।यद्यपि बड़ी चिंता जनक बात है कि अंतर्राष्ट्रीय मजदूर दिवस मनाने की पहल के सैकड़ों वर्षों बाद भी ज्यादातर मजदूरों की दुर्दशा ही दिखाई देती है। मजदूर दिवस का आयोजन कागजी रस्म सा प्रतीत होता है।केवल इसी दिवस पर मजदूरों का सम्मान करने वालों को चाहिए कि हरेक दिवस को मजदूर के मान सम्मान दिवस की दृष्टि से ही देखें। याद रखना होगा कि मजदूरों का शोषण, मजदूरों के साथ अन्याय करना स्वयं को कमजोर बनाने जैसा कृत्य सिद्ध होगा।अर्थ व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने वाले मजदूरों की ताकत को नजर अंदाज करना उल्टे गिरने की स्थिति में ला खड़ा करेगा।दुनिया के ज्यादातर मजदूर निरक्षर और अनपढ़ होते हैं।यही वजह है सुरक्षा के प्रति सजगता और अधिकारों के प्रति जागरूकता की कमी भी मजदूरों में दिखाई देती है, पर ज्ञानी ध्यानी पूंजीपति मालिकों को अनपढ़ मजदूर ही पसीना बहाना, पसीना बहाकर रोजी-रोटी रुपया पैसा कमाना सिखाता है,अत: मजदूरों के अधिकारों की सुरक्षा,उनके प्रति सहानुभूति रखना मालिकों के लिए भी हितकर है। मजदूर दिवस पर यह भी स्मरणीय है कि मजदूर की गाढ़ी कमाई की पवित्रता ही उसे उबड़ खाबड़ जमीन पर मीठी नींद सुला देती है।ऐसे ही परिश्रम और पसीने की महत्ता को उजागर करते हुए जैन मुनि श्री तरुण सागर जी कहते हैं कि- बिना पसीना बहाये जो धन दौलत हासिल होता है,वह पाप की कमाई के समतुल्य है। पाप की कमाई से सोना हीरा जड़ित कंगन तो पहन सकते हैं, पर यह भी संभव है कि पाप की कमाई के कारण लोहे की हथकड़ियां भी पहननी पड़ जाए। प्राय:यह भी देखने सुनने में आता है कि मालिक बने धनाढ्य लोग समान काम के लिए समान मजदूरी नहीं देते।मजदूरों को समय पर मजदूरी नहीं देते,या आधी अधूरी मजदूरी ही देते हैं। ऐसे कुटिल चाल, कुत्सित विचारों के पीछे मालिक की सोच मजदूरों को बंधुवा बनाकर रखने की होती है,जो कि हर दृष्टिकोण से मानवीय धर्म के विरुद्ध है।अनुचित है।

धार्मिक ग्रंथों में,नीति शास्त्रों में इस बात को विशेष रूप से उल्लेखित किया गया है कि भरण पोषण के लिए खून -पसीना बहाने वाले मजदूरों की पाई पाई मजदूरी का भुगतान उसका पसीना सूखने के पहले ही कर देना चाहिए।ऐसा करना मजदूर समुदाय को तन मन धन से मजबूत बनाना है।मजदूर की मजबूती ही मालिक को ठोस धरातल और सुदृढ़ नींव पर खड़ा करती है। मजदूरों के प्रति उदारता,सहृदयता अनेक अर्थों में दोहरा लाभ दिलाने वाली कुंजी है। मजदूर और मालिक के मध्य परोपकार की भावना आपसी रिश्ते में प्रगाढ़ता लाती है। प्रबल विश्वास जगाती है।कवि रहीम जी की पंक्तियां इसे बेहतर उजागर करती हैं- 卐रहीम वे नर धन्य हैं पर उपकारी अंग,बांटनवारे को लगे ज्यों मेहंदी को रंग卐 अर्थात दूसरों को खुशी देने वाले बधाई के पात्र हैं। मालिक- प्रबंधन- श्रमिक के मध्य मधुर संबंध से उसी तरह दोहरा लाभ होता है जैसे मेहंदी लगाने वाले के हाथ में ना चाहते हुए भी मेहंदी का रंग स्वत: चढ़ जाता है। दूसरों के माथे पर चंदन लगाने वाले के हाथ स्वत: चंदन की महक से गमक उठाते हैं। मजदूर दिवस पर श्रम शक्ति को नमन करते हुए मजदूरों से काम लेने वालों को हमेशा ध्यान रखना चाहिए कि मजदूर के पसीने के बिना प्रगति की कल्पना नहीं की जा सकती। ऐसे श्रमवीरों- कर्मवीरों को सटीक परिभाषित करती हैं ए पंक्तियां मजदूर अशक्त नहीं सशक्त है, श्रम के पुजारी श्रम के भक्त हैं। मजदूर मजबूर नहीं मजबूत है,विकास की नींव विकास के सबूत है।

विजय मिश्रा 'अमित'
पूर्व महाप्रबंधक (जन)
अग्रोहा कॉलोनी ,पोआ- सुंदर
नगर रायपुर (छग)

आलेख

छत्तीसगढ़ में लिखा जा रहा है ग्रामीण आवास क्रांति का नया इतिहास

नसीम अहमद खान

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ राज्य में इन दोनों ग्रामीण विकास एवं सामाजिक सशक्तिकरण का एक नया इतिहास लिखा जा रहा है। छत्तीसगढ़ सरकार एक अभिनव अभियान मोर दुवार-साय सरकार के माध्यम से गरीब ,वंचित और आवासहीन परिवारों के यहां दस्तक देकर उन्हें सम्मान के साथ प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत पक्के घर का अधिकार देने में जुटी है। मुख्यमंत्री श्री साय ने बीते दिनों जगदलपुर प्रवास के दौरान घाटपदमपुर ग्राम से इस अभियान की शुरुआत की थी। प्रधानमंत्री आवास योजना का तेजी से और गुणवत्तापूर्ण क्रियान्वयन छत्तीसगढ़ सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है । इस बात को मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने मुख्यमंत्री का पद संभालने के दूसरे दिन ही कैबिनेट की पहली बैठक में 18 लाख परिवारों को आवास की स्वीकृति प्रदान कर स्पष्ट कर दिया था। छत्तीसगढ़ सरकार इस अभियान के माध्यम से प्रत्येक पात्र परिवार को पक्का आवास देने के अपने संकल्प को पूरा कर रही है। छत्तीसगढ़ में चल रही ग्रामीण आवास क्रांति का ही यह परिणाम है कि अब गांवों में विशेषकर पिछड़े और गरीब तबके की बस्तियों में मिट्टी के जीर्णशीर्ण घरों और बांस- बल्ली के सहारे टिकी घास-फूंस की झोपड़ी की जगह अब साफ-सुथरे पक्के मकान बने हुए अथवा बनते दिखाई देने लगे हैं। राज्य के मैदानी इलाकों से लेकर सुदूर वनांचल का कोई ऐसा गांव अथवा मजरा- टोला नहीं, जहां 8-10 पक्के घर, प्रधानमंत्री आवास योजना के जरिए हाल- फिलहाल में न बने हों। यह योजना न केवल लाखों गरीब परिवारों को छत दे रही है, बल्कि रोजगार, व्यापार और उद्योगों को भी गति प्रदान कर रही है। इससे सीमेंट, ईट, सरिया और निर्माण सामग्री से जुड़े व्यवसाय में तेजी आयी है। यह जनकल्याण और आर्थिक विकास का एक संतुलित मॉडल है। छत्तीसगढ़ राज्य को भारत सरकार द्वारा वर्ष 2024-25 के लिए कुल 11,50,315 ग्रामीण आवासों का लक्ष्य प्रदान किया गया है, जिसमें से अब तक 9,41,595 आवासों की स्वीकृति दी जा चुकी है। केंद्रीय मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा छत्तीसगढ़ प्रवास दौरान राज्य को अतिरिक्त 3 लाख आवासों की स्वीकृति देने से यह प्रयास और भी व्यापक हो गया है। यह छत्तीसगढ़ के इतिहास की अब तक की सबसे बड़ी ग्रामीण आवासीय पहल है। राज्य सरकार समाज के सभी वर्ग के पात्र परिवारों के साथ-साथ बैगा, कमार, पहाड़ी कोरवा, अबूझमाड़िया एवं बिरहोर विशेष पिछड़ी जनजाति के परिवारों को प्रधानमंत्री जनमन योजना के तहत पक्का आवास उपलब्ध करा रही है। महासमुंद जिले के धनसुली गांव की कमार बस्ती में 15 से अधिक कमार परिवारों को पीएम जनमन योजना के अंतर्गत पक्के आवास उपलब्ध कराए गए हैं। इससे इन जनजातीय परिवारों के जीवन में स्थायित्व आया है और वे शासन की अन्य योजनाओं से भी लाभान्वित हो रहे हैं। छत्तीसगढ़ सरकार का मोर दुवार-साय सरकार अभियान 30 अप्रैल तक तीन चरणों में संचालित है, जिसमें पात्र हितग्राहियों का घर-घर जाकर सर्वेक्षण करना और ग्राम सभाओं के माध्यम से सूची का वाचन और शत-प्रतिशत पात्र परिवारों का कवरेज सुनिश्चित करने के साथ ही सर्वेक्षण पूर्ण करने वाले कर्मियों का सार्वजनिक सम्मान किया जाएगा। मुख्यमंत्री श्री साय द्वारा गांव में जाकर सर्वेक्षण कार्य का शुभारंभ करना और हितग्राहियों से उनके बारे में जानकारी लेना इस बात का प्रमाण है कि राज्य सरकार इस योजना के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर पूरी तरह संवेदनशील और संकल्पित है। इस अभियान को जन अभियान का स्वरूप देने के लिए जनप्रतिनिधियों, जनसेवियों और स्थानीय कलाकारों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की गई है। पीएम आवास पंचायत एम्बेसडर के रूप में नामित व्यक्तियों द्वारा भी लोगों को प्रेरित किया जा रहा है। गृह पोर्टल के माध्यम से पारदर्शिता एवं जानकारी की सहज उपलब्धता सुनिश्चित की गई है। प्रधानमंत्री आवास योजना के अतिरिक्त, राज्य में जरूरत मंद परिवारों को पक्का आवास उपलब्ध कराने के लिए छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा मुख्यमंत्री आवास योजना संचालित की जा रही है।

कश्मीर में पर्यटन पर आतंकी आघात

डा. जयंतीलाल भंडारी

कश्मीर में लगभग 5 लाख लोगों को प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष रूप से पर्यटन उद्योग-कारोबार में रोजगार मिला हुआ है। इनमें से अधिकांश के लिए टैक्सी सर्विस, होटल, गाइड, हस्तशिल्प और पर्यटन से जुड़ी गतिविधियां जीविका का साधन है। अब इस आतंकी हमले के बाद कश्मीर में रिकार्ड तोड़ती पर्यटकों की संख्या दम तोड़ते हुए दिखाई दे रही है। बड़ी संख्या में पर्यटक अपनी होटल व फ्लाइट बुकिंग कैंसिल करा रहे है। इसका सीधा असर स्थानीय कश्मीरी लोगों और वहां के पर्यटन उद्योग और कारोबार पर दिखाई देने लगा है यकीनन 22 अप्रैल को कश्मीर की सबसे खूबसूरत वादियों में से एक और भारत का स्विटजरलैंड कहे जाने वाले पहलगाम में 26 पर्यटकों को क्रूरतापूर्वक मारे जाने के आतंकी हमले ने जम्मू-कश्मीर में उभरते हुए पर्यटन क्षेत्र को करारा झटका दिया है। साथ ही इस हमले ने कश्मीर में पर्यटन से जुड़े लाखों कश्मीरियों के जीवन में निराशा की काली चादर ढंक दी है। कश्मीर में लगभग 5 लाख लोगों को प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष रूप से पर्यटन उद्योग-कारोबार में रोजगार मिला हुआ है। इनमें से अधिकांश के लिए टैक्सी सर्विस, होटल, गाइड, हस्तशिल्प और पर्यटन से जुड़ी गतिविधियां जीविका का साधन है। अब इस आतंकी हमले के बाद कश्मीर में रिकार्ड तोड़ती पर्यटकों की संख्या दम तोड़ते हुए दिखाई दे रही है। बड़ी संख्या में पर्यटक अपनी होटल व फ्लाइट बुकिंग कैंसिल करा रहे है। इसका सीधा असर स्थानीय कश्मीरी लोगों और वहां के पर्यटन उद्योग और कारोबार पर दिखाई देने लगा है। गौरतलब है कि 1990 के दशक में जब कश्मीर में आतंकवाद ऊंचाई पर था और जब कश्मीरी पंडित कश्मीर छोडक़र जा रहे थे, तब कश्मीर में पर्यटकों की संख्या नगण्य हो गई थी, लेकिन कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाने और विधानसभा चुनाव के बाद कश्मीर को सुरक्षित माने जाने से कश्मीर में देश और दुनिया के पर्यटकों के कदम तेजी से बढऩे लगे। पर्यटन की ताकत के दम पर जम्मू-कश्मीर की अर्थव्यवस्था तेजी से बढऩे लगी। वर्ष 2024-25 में कश्मीर की विकास दर 7 फीसदी से अधिक रही है। साथ ही कश्मीर का सकल घरेलू उत्पाद (एसजीडीपी) करीब 2.65 लाख करोड़ रुपए तक पहुंच गया है। यहां के लोगों की प्रति व्यक्ति आय भी करीब 11 फीसदी बढक़र डेढ़ लाख रुपए से अधिक हो गई है। बेरोजगारी दर भी घटी है। यदि हम पर्यटकों की संख्या देखें तो यह वर्ष 2020 में करीब 34 लाख थी। वर्ष 2023 में जम्मू और कश्मीर में 2.11 करोड़ पर्यटक पहुंचे थे। यह संख्या वर्ष 2024 में बढक़र 2.36 करोड़ पहुंच गई, जो एक रिकार्ड है। यह बात महत्त्वपूर्ण है कि इस समय कश्मीर के पर्यटन उद्योग का आकार लगभग 12 हजार करोड़ रुपए का है। कश्मीर में आर्थिक गतिविधियों के दायरे में वृद्धि होने से जम्मू-कश्मीर की आर्थिकी में सेवा क्षेत्र का योगदान करीब 61 फीसदी हो गया है, जबकि राष्ट्रीय स्तर पर यह करीब 55 फीसदी ही है। कश्मीर में गैर कर राजस्व (एनटीआर) में पर्यटन क्षेत्र की हिस्सेदारी तेजी से बढक़र 25 फीसदी से अधिक हो गई है। लेकिन अब इस आतंकी हमले ने कश्मीर के पर्यटन पर ब्रेक लगा दिया है। पहलगाम आतंकी हमले ने वर्ष 2019 में कश्मीर के पुलवामा में हुए आत्मघाती आतंकी हमले की याद दिला दी है, जिसके कारण कश्मीर में पर्यटन को बड़ा झटका लगा था और 2019 में कश्मीर में आने वाले पर्यटकों की संख्या घटकर आधी रह गई थी। उल्लेखनीय है कि पहलगाम में हुआ आतंकी हमला कश्मीर पर कई आर्थिक चुनौतियां लेकर आया है। कश्मीर का बढ़ता हुआ पर्यटन उद्योग कश्मीर की नई आर्थिक शक्ति है। यदि हम एक दशक पहले के कश्मीर की आर्थिकी को देखें तो पाते हैं कि कश्मीर की आर्थिकी में केंद्र सरकार के द्वारा दिए गए संसाधनों की अधिक भूमिका रही है। जम्मू-कश्मीर के अधिकांश लोग जीवन निर्वाह के लिए परंपरागत कृषि कार्य में लगे हुए दिखाई देते हैं। लेकिन उनकी कृषि में परंपरागत साधनों का ही उपयोग किया जाता रहा है। यद्यपि कश्मीरी लोग चावल, मक्का, गेहूं, जौ, दालें, तिलहन तथा तम्बाकू आदि उत्पादित करते हैं। साथ ही कश्मीर में बड़े-बड़े बागों में सेब, नाशपाती, आड़ू, शहतूत, अखरोट और बादाम उगाए जाते है, लेकिन इन सबकी उत्पादकता बहुत कम है। इसमें कोई दो मत नहीं है कि पिछले पांच वर्षों में जम्मू-कश्मीर में देशी और विदेशी पर्यटकों के बढऩे का परिणाम यह रहा है कि जम्मू-कश्मीर की अर्थव्यवस्था में सुधार होने लगा है। कश्मीर के हस्तशिल्प और छोटे उद्योगों का विकास दिखाई देने लगा है। जम्मू-कश्मीर के प्रमुख हस्तशिल्प उत्पादों में कागज़ की लुगदी से बनी वस्तुएं, लकड़ी पर नक्काशी, कालीन, शॉल और कशीदाकारी का सामान आदि शामिल हैं। कश्मीर के प्रसिद्ध पश्मीना का उत्पादन यहीं पाली जाने वाली बकरियों से होता है। रेशम पालन भी कश्मीर में बहुत प्रचलित है। हस्तशिल्प उद्योग से काफी मात्रा में विदेशी मुद्रा अर्जित होती है। इसके साथ ही परिशुद्धता की जांच करने वाले उपकरण, धातु के बरतन, खेल का सामान, फर्नीचर, माचिस और राल व तारपीन जम्मू-कश्मीर के मुख्य औद्यागिक उत्पादन है। अनुच्छेद 370 हटने के बाद देश के अन्य क्षेत्रों से इन छोटे उद्योगों एवं हस्तशिल्प क्षेत्र में नई पूंजी प्राप्त होने से ये उद्योग आगे बढऩे लगे हैं। इसका फायदा यहां के लोगों को सीधे तौर पर रोजगार के अवसर के रूप में मिलने लगा है। ऐसे में कश्मीर से अपने घर को छोडक़र दूसरे राज्यों में नौकरी के लिए जाने वाले युवाओं की संख्या में कमी आने लगी है। कश्मीरी लोगों की प्रति व्यक्ति आय में इजाफा होने के साथ-साथ जीवनस्तर में सुधार होने लगा है। नया देशी-विदेशी निवेश आने से बुनियादी ढांचे, शिक्षा सुविधाओं तथा स्वास्थ्य सुविधाओं में इजाफा होने के साथ जम्मू-कश्मीर में आर्थिक-सामाजिक खुशहाली बढऩे लगी है। कश्मीर में प्रॉपर्टी के दामों में उछाल का लाभ जम्मू-कश्मीर के लोगों को मिलने लगा है। ऐसे में पहलगाम में आतंकी हमला न केवल कश्मीर के पर्यटन उद्योग की रीढ़ तोड़ते हुए दिखाई दे रहा है, वरन् इससे पूरे देश में पर्यटन उद्योग और बढ़ते विदेशी पर्यटकों की संख्या पर भी असर पड़ सकता है। विश्व यात्रा एवं पर्यटन परिषद (डब्ल्यूटीसी) के मुताबिक भारतीय अर्थव्यवस्था का लगभग सात प्रतिशत हिस्सा पर्यटक क्षेत्र से आता है। भारत में पर्यटन उद्योग का आकार वर्ष 2024 में लगभग 256 अरब डॉलर रहा है। पर्यटन उद्योग भारत में करीब 4.5 करोड़ लोगों को रोजगार देता है। तेजी से बढ़ता भारत का पर्यटन उद्योग अगले 10 वर्षों में 523 अरब डॉलर का हो सकता है। हम उम्मीद करें कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार पहलगाम में आतंकी हमले से निर्मित चुनौती का प्रतिकार करते हुए आतंकियों व पाकिस्तान को ऐसा सबक देगी, जिससे भविष्य में वे ऐसा दुस्साहस नहीं कर पाए। सरकार के द्वारा पाकिस्तान सहित दुनिया को यह संदेश भी दिया जाए कि भारत अब साफ्ट स्टेट नहीं रहा, वह वैचारिक स्तर पर भी आतंक को समूल खत्म करने की डगर पर आगे बढ़ रहा है।

बेरोजगारी सही नीति निर्धारण से समाधान संभव

सत्यपाल वशिष्ठ

बेरोजगारी के निवारण के लिए हिमाचल प्रदेश को ठोस नीति बनाने की आवश्यकता है। इसके लिए वेतनभोगी नौकरियों के साथ-साथ स्वरोजगार के अवसर भी उपलब्ध करवाने की आवश्यकता है। सरकारी क्षेत्र में रोजगार के अवसर घट रहे हैं। युवाओं को स्वरोजगार की तरफ भी अपनी रुचि को मोडऩा होगा संपूर्ण भारतवर्ष में ही बेरोजगारी एक गंभीर तथा जटिल समस्या बनी हुई है। विभिन्न विश्वव्यापी घटनाओं तथा प्राकृतिक आपदाओं जैसे कोविड, बाढ़ आदि ने इसे और भी जटिल बना दिया है। बेरोजगारी व्यक्ति के लिए निर्धनता, समाज के लिए अपमानजनक तथा राष्ट्र के लिए मानवीय संसाधन की हानि का प्रतीक है। बेरोजगार वे व्यक्ति होते हैं जो पंद्रह से साठ वर्ष की आयु वर्ग में होते हैं और वे काम करने के इच्छुक हैं, पर उनके पास काम नहीं होता। हिमाचल प्रदेश में भी बेरोजगारों की संख्या बहुत तेजी से बढ़ रही है। हिमाचल में संपन्न हुए चुनावों में कांग्रेस पार्टी ने अपने चुनावी घोषणापत्र में राज्य में युवाओं को 5 लाख रोजगार के अवसर सृजित करने का वादा किया था। इस गारंटी को पूरा करने के लिए एक मंत्रिमंडलीय उप-समिति भी गठित की है। इस गारंटी को पूरा करना वर्तमान सरकार के लिए चुनौतीपूर्ण है। हाल ही में हिमाचल प्रदेश सरकार की कैबिनेट उप-समिति, जो संसाधन जुटाने के सुझाव के लिए बनाई गई है, ने सरकार को अनुशंसित किया है कि हिमाचल प्रदेश के कर्मचारियों की सेवानिवृत्ति आयु को 58 वर्ष से 59 वर्ष किया जाए। घाटे में चले हुए कुछ उपक्रमों को बंद करने की भी सिफारिश की है। अगर सरकार इन निर्णयों को लेती है तो बेरोजगार युवा और हताश होंगे और नशाखोरी एवं नशे के कारोबार में ज्यादा संलिप्त होंगे। वर्तमान में हिमाचल प्रदेश में 8 लाख से भी अधिक बेरोजगार हैं। आंकड़ों के मुताबिक बेरोजगारी दर हर साल एक प्रतिशत के हिसाब से बढ़ रही है। हिमाचल प्रदेश में बेरोजगारी के मुख्य कारण हैं-औद्योगिकीकरण की कमी, सरकारी नौकरियों पर निर्भरता, कौशल विकास की कमी, कृषि और पर्यटन में मौसमी रोजगार तथा शिक्षा का स्तर आदि। हिमाचल प्रदेश को कुदरत ने बहुत से प्राकृतिक संसाधनों से नवाजा है। अगर सही ढंग से इनका दोहन किया जाए तो यहां कोई भी बेरोजगार नहीं रहेगा। बेरोजगारी के निवारण के लिए हिमाचल प्रदेश को ठोस नीति बनाने की आवश्यकता है। इसके लिए वेतनभोगी नौकरियों के साथ-साथ स्वरोजगार के अवसर भी उपलब्ध करवाने की आवश्यकता है। सरकारी क्षेत्र में

रोजगार के अवसर घट रहे हैं। युवाओं को स्वरोजगार की तरफ भी अपनी रुचि को मोडऩा होगा। हिमाचल प्रदेश में वेतनभोगी रोजगार या नौकरियां भिन्न-भिन्न विभागों में खाली पड़े पदों पर पारदर्शी प्रतियोगी परीक्षाओं के माध्यम से बेरोजगारों को दी जा सकती हैं। इसके लिए बेरोजगार युवा पिछले कई वर्षों से प्रदर्शन करते रहे हैं। सरकारी विभागों में इस समय हजारों की संख्या में खाली पद पड़े हैं। विभिन्न विभागों में खाली पदों के होने से जनता के काम सुचारू रूप से नहीं होते। हिमाचल प्रदेश सरकार ने जो भर्तियां अभी तक की हैं, वे रिक्त पदों की तुलना में बहुत कम हैं, बाकी पदों को आउटसोर्सिंग के माध्यम से भरा जा रहा है। आउटसोर्सिंग के माध्यम से भर्ती न ही युवाओं के लिए सही है और न ही सरकार के लिए, क्योंकि अगर आउटसोर्सिंग के कर्मियों ने किन्हीं कारणों से काम बंद कर दिया तो सरकार के सभी दफ्तरों के काम बंद हो जाएंगे। आउटसोर्सिंग से काम की गुणवत्ता भी प्रभावित हो रही है। हिमाचल प्रदेश में वेतनभोगी रोजगार के साधन सीमित हैं, परंतु कृषि एवं बागबानी, पर्यटन, हाइड्रो पावर परियोजनाओं तथा खनिज क्षेत्र में स्वरोजगार की अपार संभावनाएं हैं। पर्यटन तथा पनबिजली दो ऐसे क्षेत्र हैं जिनका सही नीति निर्धारण कर अर्थव्यवस्था को मजबूती देने के साथ-साथ रोजगार को भी बढ़ावा दिया जा सकता है। हिमाचल प्रदेश सैलानियों के लिए स्वर्ग है। लोग देश और विदेशों से हिमाचल प्रदेश में पर्यटक स्थल, धार्मिक स्थल, मंदिर आदि देखने आते हैं। एक अच्छी पर्यटक नीति, अच्छी सडक़ें, हवाई हड्डे, सैलानियों के ठहरने के लिए अच्छी व्यवस्था, पर्यटकों के जान-माल और शोषण की रक्षा आदि से पर्यटन को बढ़ावा दिया जा सकता है। वैसे तो हिमाचल सरकार पर्यटन को बढ़ावा दे रही है। इसी कड़ी में कांगड़ा को राज्य की पर्यटक राजधानी घोषित कर रखा है। एचपीटीडीसी के होटल प्रमुख स्थानों तथा खुली पार्किंग से लैस हैं, मगर रखरखाव न होने के कारण पर्यटक इन होटलों में नहीं ठहरते। सरकार को इन होटलों को लीज पर दे देना चाहिए। इससे पर्यटकों को निजी होटलों के बराबर सुविधाएं मिल पाएंगी। हिमाचल में परिवहन व्यवस्था को सुचारू तथा सस्ता बनाना होगा। नए हवाई अड्डों का निर्माण, वर्तमान हवाई पट्टियों का विस्तार तथा हवाई किराया कम होना चाहिए। रेलवे लाइनों से पर्यटक स्थलों को जोडऩा होगा ताकि पर्यटकों का सफर आसान हो। विद्युत परियोजनाओं के जलाशयों तथा झीलों आदि में पर्यटक स्थल, डेस्टिनेशन वेडिंग स्थल और पिकनिक स्पाट विकसित कर एवं क्रूज, शिकारा, हाऊसबोट, मोटरबाइक, वाटर स्कूटर, हाट एयर बैलूनिंग, फिशिंग आदि क्रियाएं शुरू करके पर्यटकों को आकर्षित किया जा सकता है।

जीवन के निर्माण में शिक्षा का महत्वपूर्ण स्थान है बिना शिक्षा के हमारा जीवन अधूरा है : मुनि श्री प्रमाणसागर जी महाराज

रायपुर (विश्व परिवार)। जीवन के निर्माण में शिक्षा का महत्वपूर्ण स्थान है बिना शिक्षा के हमारा जीवन अधूरा है उपरोक्त उद्गार संत शिरोमणि आचार्य श्री विद्यासागर महाराज के परम प्रभावक शिष्य मुनि श्री प्रमाणसागर जी महाराज ने विद्याप्रमाण गुरुकुलम् के प्रथम स्थापना समारोह में अक्षय तृतीया के दिवस भोपाल में प्रकट किये। उन्होंने कहा कि गुणायतन ने अभी तक जो भी कार्य अपने हाथ में लिया है उसे पूर्ण निष्ठा के साथ पूर्ण किया है।मुनि श्री ने आचार्य गुरूदेव को स्मरण करते हुये कहा कि आचार्य गुरूदेव चाहते थे कि भारत की प्राचीन शिक्षा पद्धति में शिक्षा की जो अवधारणा सर्वांगीण शिक्षा की होती थी, वह पूर्ण हो उपरोक्त संद्रभ में मेरी चर्चा उनसे नेमावर में हुई थी, उन्होंने आशीर्वाद देते हुये कहा था कि वर्तमान समय की शिक्षा व्यवस्था मात्र वौद्धिक विकास की ओर है, में मानता हुं कि वौद्धिक विकास जीवन के लिये बहुत जरुरी है लेकिन बौद्धिक विकास के साथ साथ नैतिक चारित्रिक,भावनात्मक और आध्यात्मिक विकास भी जरुरी है, मुनि श्री ने कहा कि आज जो भी कार्य हो रहा है वह पूज्य गुरुदेव के आशीर्वाद का ही प्रतिफल है, पूज्य गुरुदेव की यह भावना आचार्य गुरूदेव विद्यासागर शोध संस्थान में आकर विद्याप्रमाण गुरुकुलम् के रूप में पूर्ण हुई मुनि श्री ने कहा कि यह केवल एक संस्थान ही नही वल्कि यंहा पर जो भी छात्र अध्यन करेंगे वह सभी छात्र मुखर प्रखर प्रज्ञावान बनकर देश के प्रति देश समाज और धर्म के आईकॉन बनेंगे तथा

राष्ट्र की सेवा में अपना योगदान देंगे, मुनि श्री ने कहा कि गुणायतन द्वारा दी जा रही स्कालर शिप के माध्यम से विद्या प्रमाण गुरुकुलम् में जिन बच्चों का सिलेक्शन हो गया है उसकी समस्त शिक्षा का भार आगे से गुणायतन उठाऐगा उनको ऐसी शिक्षा दी जाऐगी कि जो बच्चे यंहा से शिक्षा प्राप्त करके जाऐंगे वही बच्चे इस संस्थान को भी आगे बड़ाऐंगे मुनि श्री ने कहा कि वर्तमान में बच्चे पड़ाई पूरी करके ऊंचा स्थान तो पा जाते है लेकिन उनके अंदर से संस्कार का अभाव रहने से वह सिर्फ अपने तक सीमित रहते है मुनि श्री ने आशीर्वाद देते हुये कहा कि अक्षय तृतीया के दिन गुणायतन, विद्यासागर शिक्षण संस्थान तथा सेज इंटरनेशनल के माध्यम से जो उत्कृष्ट कार्य पूर्ण हुआ है उसके लिये तीनों संस्थान के सभी कार्यकर्ताओं की महनत है आज संपूर्ण भारत में1800 चेप्टर मेमन है और सबसे अधिक 200 के करीबन भोपाल में है उन्होंने कहा कि जैसा कि इंदौर चातुर्मास के दौरान घोषणा की गई थी कि गुणायतन का उद्देश्य श्री सम्मेदशिखर तक सीमित नहीं है गुणायतन का मूल मक्सद समाज का गुणात्मक परिवर्तन कर समाज को सशक्त बनाना है।

उन्होंने कहा कि कुछ लोग आलोचनाओं को करते हुये गुणायतन के संद्रभ में धुंआ उड़ाते है उन सभी को भी में आशीर्वाद देता हुं और कहता हूं कि आप लोग धुंआ उड़ाइये में उसमें खुश्बू मिलाता हूं, अच्छे कार्य की हमेशा सुगंध ही फैलती है मुनि श्री ने कहा कि भोपाल मेरा कर्मक्षेत्र रहा है और श्री सम्मैदशिखर जी के पश्चात भोपाल हमारा दूसरा केंद्र बनेगा मुनि श्री ने कहा कि लगभग 1500 बच्चों का इंटरव्यू हुआ था और उसमें 180 बच्चों को सिलेक्ट किया गया था उसमें से 150 बच्चे अपने अभिभावकों के साथ उपस्थित हुये है वह सभी बच्चे सौभाग्यशाली है इन बच्चों में आज शिक्षा के संस्कार दिये गये है उन्होंने सभी बच्चों के अभिभावकों को आशीर्वाद देते हुये कहा कि छोटी छोटी बातों की ओर ध्यान न देकर सभी अभिभावकों को अपनी धर्म परंपरा और संस्कृति के लिये आगे आना होगा तभी हम पूज्य गुरुदेव की भावनाओं को पूर्ण कर पाऐंगे। हमारा एक ही लक्ष्य है कि यंहा से निकला प्रत्येक छात्र इस संस्थान का आईकांन बने।

उपरोक्त जानकारी देते हुये प्रवक्ता अविनाश जैन ने बताया प्रात:कालीन बेला में उपरोक्त कार्यक्रम को गति प्रदान करते हुये बाल ब्र. अशोक भैया एवं अभय भैया ने मंत्रोच्चारण के साथ संस्कार विधी को संपन्न कराया इस अवसर पर गुणायतन के अध्यक्ष विनोद काला कोलकाता एवं कार्याध्यक्ष एन सी जैन दिल्ली ने घोषणा की गुरुकुलम् में स्कालरशिप के माध्यम से शिक्षा पूर्णतया नि:शुल्क रहेगी उन्होंने मध्यभारत क्षेत्रीय अध्यक्ष नरेंद्र टोंग्या, तथा भोपाल क्षेत्र के अनुभव सराफ,देवेंद्र जैन सहित समस्त कार्यकर्ताओं का सम्मान करते हुये समस्त अभिभावकों का आभार प्रकट किया।इस अवसर पर गुरु सेवक विवेक जैन कुनकुरी,अक्षय जैन,हरीश जैन सहित गुरु सेवा से जुड़े सभी कार्यकर्ता उपस्थित थे। -
अविनाश जैन

आचार्य श्री वर्धमान सागर जी महाराज ने कहा- आहार दान के पुण्य से मोक्ष की प्राप्ति होती है

नीमच (विश्व परिवार)। आचार्य श्री वर्धमान सागर जी 36 साधुओं सहित नीमच विराजित हैं।अक्षय तृतीया जैन धर्म के दृष्टिकोण से परम पावन दिवस है क्योंकि प्रथम तीर्थंकर श्री आदिनाथ भगवान का अक्षय तृतीया वैशाख

शुक्ला तीज को एक वर्ष के बाद उपवास के बाद पारणा होकर प्रथम आहार हुआ था श्री आदिनाथ भगवान ने श्रमण साधुओं के लिए आहार चर्या का मार्गदर्शन किया। श्री ऋषभदेव भगवान ने गृहस्थों को असि, मसी, कृषि, शिल्प, कला और वाणिज्य आवश्यक कार्यों का ज्ञान कराया अपनी पुत्रियों ब्रह्मी और सुंदरी के माध्यम से अंक ओर लिपि का ज्ञान कराया।वह जैन धर्म के प्रथम तीर्थंकर, उनके पुत्र भरत प्रथम चक्रवती अन्य पुत्र अनंत वीर्य प्रथम गणधर तथा बाहुबली प्रथम कामदेव हुए।उन्होंने सभी 100 पुत्रों को विभिन्न कलाओ का ज्ञान कराया। यह मंगलदेशना पंचम पट्टाधीश वात्सल्य वारिधि आचार्य श्री वर्धमान सागर जी महाराज ने नीमच की धर्म सभा में प्रकट की। राजेश पंचोलिया अनुसार आचार्य श्री ने आगे बताया कि श्री ऋषभदेव ने 84 लाख वर्ष पूर्व की आयु में जब एक लाख वर्ष पूर्व की आयु शेष थी तब दीक्षा धारण की। आचार्य श्री ने बताया कि 83 लाख वर्ष होने के बावजूद तीर्थंकर वृद्ध नहीं बुढ़ापा नहीं आता है सदा वह जवान रहते हैं। आचार्य श्री ने बताया कि श्री आदिनाथ महा मुनिराज ने छह माह का योग धारण कर उपवास किया था आगामी 6 माह में उपवास के बाद जब आहार के लिए निकले तो 6 माह तक उन्हें आहार की विधि नहीं मिली आहार नहीं हुआ क्योंकि किसी को भी साधुओं को आहार देने का ज्ञान नहीं था, अनेक श्रावक कोई हीरे रत्न लाता था, कोई राज्य सौंपता था, कोई कन्याएं देता था किंतु आगम की विधि अनुसार उन्हें आहार के लिए नवधाभक्ति से पड़गाहन नहीं करते थे। तब आहार के लिए एक नगर से दूसरे नगर भ्रमण विहार करते हुए हस्तिनापुर के राजा श्रेयांस को महा मुनिराज आदिनाथ की मुद्रा देखकर पूर्व भव का जाति स्मरण हुआ और उन्होंने श्री आदिनाथ महामुनिराज का पड़गाहन किया ओर गन्ने के रस से आहार कराया आचार्य श्री ने इस अवसर पर बताया कि प्रथमाचार्य श्री शांति सागर जी महाराज ने वर्ष 1915 में क्षुल्लक दीक्षा ली थी, उस समय श्रावकों को नवधा भक्ति से आहार चर्या का ज्ञान नहीं था 3दिन से ज्यादा उपवास हो गए।तब मंदिर के उपाध्याय ने साधु के पड़गाहन की सही विधि बताई तब आहार हुआ।आचार्य श्री ने बताया कि दान की दृष्टि से तीर्थंकर उत्तम, मुनि औरआर्यिका मध्यम तथा क्षुल्लक और क्षुल्लिका जघन्य पात्र होते है पात्रों को आहारदान से वैसा फल प्राप्त होता हैं। आहारदान देने से राजा श्रेयांश मोक्ष गए। मानव जीवन की सार्थकता आहार दान, अभय दान, औषधी दान और शास्त्र दान देने से होती हैं इससे पुण्य की प्राप्ति होती है।

-राजेश पंचोलिया

सीआईएससीई के 10वीं और 12वीं के रिजल्ट जारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। काउंसिल फॉर द इंडियन स्कूल सर्टिफिकेट एग्जामिनेशन (सीआईएससीई) ने आईसीएसई और आईएससी का रिजल्ट बुधवार को घोषित कर दिया। इस बार का रिजल्ट 99 प्रतिशत से अधिक रहा है। सीआईएससीई ने छात्र-छात्राओं को सफलता पर बधाई दी है।

आईसीएसई (कक्षा 10वीं) का रिजल्ट 99.09 फीसदी रहा, जबकि आईएससी (कक्षा 12वीं) का रिजल्ट 99.02 फीसदी रहा है। इस साल के रिजल्ट की खास बात यह रही है कि दोनों ही परीक्षाओं में लड़कियों ने लड़कों से बेहतर प्रदर्शन किया है। आईसीएसई (कक्षा 10वीं) में लड़कियों का पास प्रतिशत 99.37 रहा तो वहीं आईएससी (कक्षा 12वीं) में यह आंकड़ा 99.45 रहा है।

सीआईएससीई ने बताया कि इस साल आईसीएसई कक्षा 10 की परीक्षा 18 फरवरी से 27 मार्च तक और आईएससी कक्षा 12 की परीक्षा 13 फरवरी से 5 अप्रैल तक आयोजित की गई थी। इसके परिणाम आधिकारिक वेबसाइट %सीआईएससीई डॉट ओआरजी% पर जाकर देखा जा सकता है।

सीआईएससीई के मुख्य कार्यकारी और सचिव डॉ. जोसेफ इमैनुएल ने आईएएनएस से बातचीत में बताया कि काउंसिल फॉर द इंडियन स्कूल सर्टिफिकेट एग्जामिनेशन ने 10वीं और 12वीं परीक्षाओं के परिणाम बुधवार सुबह 11 बजे घोषित किए। आईसीएसई (कक्षा 10वीं) का रिजल्ट 99.09 फीसदी रहा, जबकि आईएससी (कक्षा 12वीं) का रिजल्ट 99.02 फीसदी रहा है।

लड़कियों ने फिर मारी बाजी

उन्होंने कहा कि इस बार का रिजल्ट काफी अच्छा रहा है। कक्षा 10वीं और 12वीं के नतीजों ने एक बार फिर अपनी उत्कृष्टता की परंपरा को कायम रखा है। इन परिणामों से पता चलता है कि टीचर और पैरेंट्स का बच्चों की सफलता में काफी योगदान रहा है। उन्होंने आगे कहा कि इस साल सीआईएससीई ने कई तकनीकी और नीतिगत बदलाव किए, जिससे परीक्षा प्रक्रिया और अधिक पारदर्शी और विश्वसनीय बनी। मैं सभी बच्चों को उनकी सफलता के लिए बधाई देता हूं। इस बार आईसीएसई (कक्षा 10वीं) में 2,52,557 छात्र-छात्राओं ने परीक्षा दी थी, जबकि आईएससी (कक्षा 12वीं) की परीक्षा में 99,551 छात्र-छात्राएं शामिल हुई थीं।

शिक्षा को केवल किताबों तक सीमित नहीं रखना चाहिए, इसे व्यवहारिक ज्ञान से जोड़े : रमेन डेका

अंजनेय विश्वविद्यालय के वार्षिक उत्सव के समापन कार्यक्रम में शामिल हुए राज्यपाल श्री डेका

रायपुर (विश्व परिवार)। शिक्षा को केवल किताबों तक सीमित नहीं रखना चाहिए। हमें इसे व्यावहारिक ज्ञान से जोड़ना चाहिए। युवाओं को न केवल नौकरी खोजने के लिए बल्कि नौकरी देने वाले बनने के लिए तैयार करना चाहिए। छत्तीसगढ़ की समृद्धि तभी संभव है जब हमारे युवा आत्मनिर्भर और नवोन्मेषी बनेंगे। राज्यपाल श्री रमेन डेका ने अंजनेय विश्वविद्यालय रायपुर के वार्षिक उत्सव 'उड़ान-2025' के समापन कार्यक्रम में यह उद्गार व्यक्त किए।

राज्यपाल श्री रमेन डेका विश्वविद्यालय के कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए। उन्होंने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 का जिक्र करते हुए कहा कि हमारे पाठ्यक्रम में प्रौद्योगिकी, ग्रामीण विकास, नवाचार, स्टार्टअप संस्कृति और सामुदायिक सेवा में कौशल पर विशेष जोर

दिया है। अब हम छात्रों को केवल कक्षाओं और पुस्तकालयों तक सीमित नहीं रखते हैं। हम उन्हें समाज, गांवों, खेतों और उद्योगों से जोड़ने का प्रयास कर रहे हैं।

राज्यपाल ने कहा कि शिक्षा केवल ज्ञान प्रदान नहीं करती है बल्कि यह सोचने, समझने और नेतृत्व करने की शक्ति देती है। जब हम अपने युवाओं को गुणवत्तापूर्ण, व्यावहारिक और नैतिक शिक्षा प्रदान करते हैं, तो वे न केवल अपना भविष्य सुरक्षित करते हैं, बल्कि समाज और राष्ट्र के लिए भी संपत्ति बनते हैं। श्री डेका ने कहा कि छत्तीसगढ़ प्राकृतिक, सांस्कृतिक और मानवीय संसाधनों से भरपूर राज्य है। किसी भी राज्य की सच्ची और सतत प्रगति तभी संभव है जब उसके लोग शिक्षित, प्रबुद्ध और सशक्त हों। शैक्षणिक संस्थान किसी भी राज्य की आत्मा होते हैं और इन संस्थानों से निकलने वाली पीढ़ियाँ ,राज्य के भविष्य की दिशा तय करती हैं। राज्यपाल ने कहा कि स्थानीय आवश्यकताओं की समझ से उभरने वाले नवाचार सिर्फ अकादमिक उपलब्धियां ही नहीं हैं, बल्कि छत्तीसगढ़ के विकास की आधारशिला भी हैं।

दान पर्व के रूप में मनाया जाता है जैन धर्म में अक्षय तृतीया

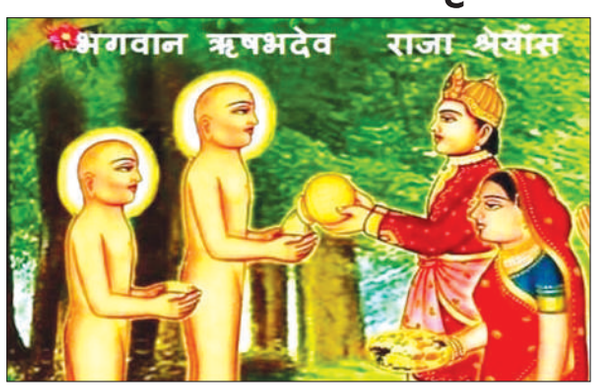

रायपुर (विश्व परिवार)। आज अक्षय तृतीया पर श्री भारतवर्षीय दिगंबर जैन महासभा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष कैलाश रारा ने एक प्रेस नोट जारी कर बतलाया की प्रथम जैन तीर्थंकर ऋषभदेव ने दीक्षा के समय 6 मास का उपवास लिया था। उपवासोपरांत उन्होंने आहार हेतु विहार किया किंतु उन्हें 7 माह 9 दिन तक आहार प्राप्त नहीं हुआ क्योंकि दान की विधि किसी को मालूम नहीं थी। एक दिन भगवान ऋषभदेव को देखकर हस्तिनापुर के राजा श्रेयांश को अपने पूर्व भव का स्मरण हो जाने के कारण दान की विधि मालूम हो गई और उन्होंने भगवान को प्रथम बार विधिवत पड़गाहन कर इक्षु रस का आहार दिया। उस दिन वैशाख शुक्ला तृतीया थी। उस दान के निमित्त से उस दिन राजा की भोजनशाला में भोजन अक्षुण हो गया। अत: उसी दिन से जैन धर्मावलंबी अक्षय तृतीया को दान पर्व के रूप में मनाते आ रहे हैं।

क्षेत्रपाल मंदिर जी प्रांगण में विशाल ऑस्टियोपोरोसिस (बीएमडी) जांच एवं उपचार शिविर का आयोजन सम्पन्न

ललितपुर (विश्व परिवार)। दिनांक 27 अप्रैल 2025 को दि जैन पंचायत समिति के तत्वावधान में, जैन एम्बुलेंस सेवा समिति एवं अखिल भारतीय जैन बैंकर्स फोरम,

ललितपुर यूनिट के सौजन्य से, स्वर्गीय श्री अशोक कुमार जैन, स्वर्गीय श्रीमती उषाकांता जैन एवं स्वर्गीय श्री आकाश जैन की पुण्य स्मृति में, दि. जैन अभिनंदोदय तीर्थ क्षेत्र ङ्क क्षेत्रपाल मंदिर जी प्रांगण में एक विशाल ऑस्टियोपोरोसिस (BMD) जांच एवं उपचार शिविर का आयोजन किया गया।

शिविर की अध्यक्षता डॉ. अक्षय जैन टड़ैया (अध्यक्ष, दिगम्बर जैन समाज) ने की तथा संचालन श्री सनत जैन खजुरिया (संयोजक, दिगम्बर जैन पंचायत एवं राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, जैन बैंकर्स फोरम) द्वारा किया गया।

शिविर में ऑस्टियोपोरोसिस विशेषज्ञ श्री हरि मोहन दिनकर द्वारा मरीजों की जांच की गई। अपने उद्बोधन में श्री दिनकर ने बताया कि 30 वर्ष की आयु के पश्चात हड्डियों में कमजोरी व घिसाव आरंभ हो जाता है, जिससे हड्डियाँ टूटने का खतरा बढ़ता है एवं जोड़ों में दर्द उत्पन्न होता है। उन्होंने संतुलित आहार, तनावमुक्त जीवन शैली, धूम्रपान व नशा से बचाव तथा पर्याप्त कैल्शियम और विटामिन ष्ठ सेवन की आवश्यकता पर बल दिया। साथ ही, 50 वर्ष के बाद नियमित जांच एवं उपचार को अनिवार्य बताया। श्री प्रियंक गुप्ता एवं दीपेंद्र यादव ने सहयोग प्रदान किया।

शिविर में लगभग 140 व्यक्तियों ने अपनी जाँच कराई और उपचार संबंधी सलाह प्राप्त की।

शिविर के सफल आयोजन में श्री सनत जैन खजुरिया, श्री राजकुमार जैन सर्राफ, श्री महिपाल जैन, श्री सुरेन्द्र सिंघई, श्री सर्वज्ञ सतभैया, श्री मयंक जैन, श्री दिलीप जैन, श्री प्रतीक जैन, श्री केवलचंद जैन, एवं अन्य सदस्यों का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

जैन एम्बुलेंस सेवा समिति से अध्यक्ष अंकित जैन, मंत्री श्री सौरभ जैन, श्री कुमार नुना, डॉ. सनत मोदी, श्री निखलेश चौधरी, श्री प्रकाश जैन, श्री अशोक जैन, श्री अंबर सिंघई, श्री सुमित जैन, श्री कल्याण चंदेल, एवं श्री शिवाग पाराशर उपस्थित रहे। चिकित्सा प्रकोष्ठ संयोजक डॉ. महेंद्र वैद्य ने भी अपनी सेवाएं प्रदान कीं।

कार्यक्रम के आयोजन में मंदिर प्रबंधक श्री अशोक दैलवारा, श्री आनंद जैन, श्री राजकुमार जैन (एडवोकेट), श्री अजय आल्या आदि का विशेष सहयोग प्राप्त हुआ।

शिविर के सफल आयोजन हेतु समिति सभी सहयोगियों का हार्दिक धन्यवाद एवं आभार व्यक्त करती है।

जैन समाज के सभी तीर्थ क्षेत्रों का अस्तित्व खतरे में, पारस जैन ने कहा- करें जरूर विचार, खड़ा है जैन समाज

कोटा (विश्व परिवार)। मुंबई में पूरा दिगम्बर जैन मंदिर गिरा दिया गया मां जिनवाणी रोड पर भगवान खुले आकाश में ओर संपूर्ण भारत का जैन समाज देखता रहा किसी अन्य समाज का यदि मंदिर होता तो शायद झांकी कुछ ओर होती निर्णय हो चुका होता।एक दिन मुंबई समस्त जैन समाज द्वारा एक विशाल रैली जरूर निकली गई। मुंबई जैन मंदिर की अभी भी ज्यों की त्यों स्थिती बनी हुई है। पूरे भारत मे जहाँ जहाँ जैन है विरोध रैली निकाल कर शासन प्रशासन के अधिकारियों को ज्ञापन देने जरूर जाना चाहिए।संथारा की तरह एक लहर पूरे भारत में चले। अपने अपने नगर शहर गांव कस्बे में चाहे भले ही पाँच परिवार भी हो। एक निश्चित दिन विरोध रैली निकाल कर अपना ज्ञापन जरूर देवे। पूरे भारत मे एक स्वर में एक आवाज उठे ये समय की मांग है अभी नहीं तो कभी नहीं।भले ही हम संख्या में कम है परन्तु अन्याय की विरुद्ध आवाज बड़ी जोरदार तरीके से उठा सकते है। श्वेतांबर जैन समाज के पास केंद्रीय नेतृत्व करने वाला विराट स्तर पर आंनद जी कल्याण जी ट्रस्ट है। जब भी पूरे भारत मे कहीं भी कोई मंदिर या तीर्थ स्थल पर कोई भी घटना घटती है ये ट्रस्ट तुंरत गतिविधि में

आ जाता है। दिंगबर जैन समाज के पास इस तरह का ट्रस्ट नहीं है जो तुरंत निर्णय ले सके।केंद्रीय नेतृत्व का अभाव सबसे बड़ी कमजोरी है। इसका साक्षात प्रमाण मुंबई मंदिर धराशाही होते हुए देख चुके है। एक दिगंबर जैन समाज का भी आंनद जी कल्याण जी ट्रस्ट की तरह ट्रस्ट बनवाना वर्तमान समय की मांग है। अभी नहीं जागे तो कभी नहीं जाग पाएंगे। प्राकृतिक सौंदर्य से परिपूर्ण धरती स्वर्ग संपूर्ण भारत की जैन समाज की आस्था का केन्द्र बीस तीर्थंकरों की निर्वाण स्थली तीर्थराज सम्मेद शिखर जी स्थिति भी सही नहीं है वहां के आदिवासी लोगो द्वारा समय समय पर अलग अलग गेट बनाए जाते है मकर संक्रांति पर लाखों की संख्या में अजैन लोग पर्वत पर पर्यटन के हिसाब से पहुंचकर अपवित्रता फैलाते है। अब गुजरात के गिरनार पर्वत पर जहाँ ङ्क से नेमीनाथ से नेमीनाथ भगवान ने संसार शरीर भोगों को छोड़कर वैराग्य धारण कर संयम तप ओर साधना कर मोक्ष को प्राप्त किया उस स्थान पर दूसरे समाज के लोगो द्वारा दत्तात्रेय जी की स्थापना कर दी गई। पूरे पर्वत पर एक दो टोंक छोड़कर सभी टोंक बन्द कर दी गई है। दूसरी समाज के लोगो द्वारा जैन यात्रियों के साथ दुर्व्यवहार किया जाता है। जैन श्रद्धालु वहां वंदना के लिए जाने से रुकने लगे हैं। अजमेर राजस्थान में ढ़ाई दिन का झोपड़ा जो अभी मजार के रूप में है वो कभी जैन प्राचीन मंदिर हुआ करता था। दिल्ली का कुतुबमीनार जो बना हुआ है उसमे न जाने कितने जैन मंदिरो को गिरा कर बनाया गया। इंदौर दिगंबर जैन तीर्थ गोमटगिरी जी पहाड़ी पर दूसरे धर्म समाज के लोगो को उनके मंदिर के लिए जगह देनी पड़ी।उन्होंने भी वहां अपना मंदिर बना लिया था। यह विवाद कई सालो से चला आ रहा था। यदि वहां पहले से बाउंड्रीवाल चारों ओर होती तो वो लोग पहाड़ी पर उनका मंदिर नहीं बना पाते। अभी हाल ही में महाराष्ट्र के सांगली में झरी पार्श्वनाथ अतिशय क्षेत्र पर हजारों साल प्राचीन मनोहारी मूर्ति के असामाजिक तत्वों द्वारा नाक काट लिए गए। और भी न जाने कितने तीर्थ क्षेत्र अतिशय क्षेत्र सिद्ध क्षेत्र का भविष्य खतरे में नजर आ रहा है सबसे पहले सभी तीर्थ स्थलों चाहे वो तीर्थ क्षेत्र हो अतिशय क्षेत्र हो या सिद्ध क्षेत्र हो उनके चारों ओर बाउंड्री वाल का कार्य अतिशीघ्र किया जाए।

एनआईटी रायपुर में एडवांसेज इन 6 प्रतिशत वायरलेस कम्युनिकेशन नेटवर्क पर ऑनलाइन फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम (FDP) का हुआ उद्घाटन

रायपुर (विश्व परिवार)। एन आई टी रायपुर में एडवांसेज इन 6 प्रतिशत वायरलेस कम्युनिकेशन नेटवर्क पर ऑनलाइन फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम (FDP) का उद्घाटन समारोह 28 अप्रैल 2025 को दोपहर 03:40 बजे गूगल मीट के माध्यम से सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम EICT अकादमी, इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (MeitY), भारत सरकार द्वारा समर्थित है। समारोह की शुरुआत एक गर्मजोशी भरे स्वागत भाषण से हुई, जिसने व्यावहारिक शिक्षा और अकादमिक जुड़ाव की दस दिवसीय यात्रा की शुरुआत की।

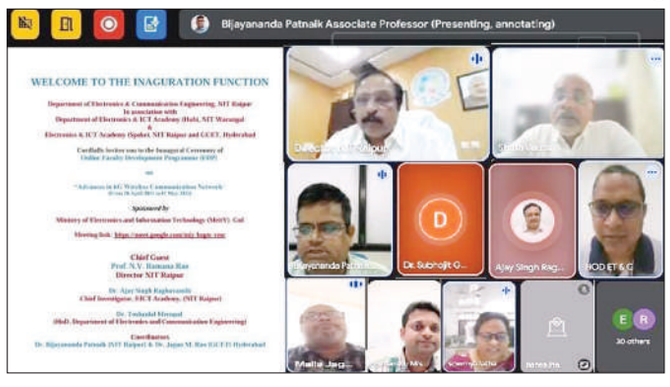

प्रो. एन.वी. रमना राव, माननीय निदेशक, एनआईटी रायपुर, जिन्होंने इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया और उद्घाटन भाषण दिया। उन्होंने संचार इंजीनियरिंग में तेजी से हो रही प्रगति के संदर्भ में 6 प्रतिशत वायरलेस तकनीकों के बढ़ते महत्व पर जोर दिया। इस कार्यक्रम में विशेष अतिथि डॉ. एस. वर्मा, प्रोफेसर (एचएजी), एनआईटी रायपुर, सहित कई विशिष्ट अतिथि, जिनमें डॉ. एस. घोष, अध्यक्ष सीईसी, एनआईटी रायपुर, डॉ. ए.एस. रघुवंशी, मुख्य अन्वेषक, ईआईसीटी अकादमी, एनआईटी रायपुर, डॉ. टी. मीनपाल, विभागाध्यक्ष, ईसीई, एनआईटी रायपुर, श्री जी. रविंदर रेड्डी, अध्यक्ष, जीसीईटी, हैदराबाद, डॉ. के. सागर, प्रिंसिपल, जीसीईटी, हैदराबाद, डॉ. जी. श्रीलक्ष्मी, विभागाध्यक्ष ईसीई, जीसीईटी, हैदराबाद शामिल रहे।

एफडीपी का उद्देश्य फैकल्टी मेम्बर्स, शोधकर्ताओं और औद्यगिक पेशेवरों को उभरती हुई 6जी प्रौद्योगिकियों के विस्तृत ज्ञान से लैस करना है। एफडीपी को 40 घंटे के विशेषज्ञ व्याख्यानों के आसपास संरचित किया गया है, जिन्हें आईआईटी, एनआईटी और उद्योग के प्रतिष्ठित विशेषज्ञों द्वारा दिया जाएगा। कार्यक्रम का उद्देश्य 6जी वायरलेस संचार प्रौद्योगिकियों में अग्रणी अनुसंधान और वास्तविक दुनिया के अनुप्रयोगों के बीच की खाई को पाटना है।

उद्घाटन समारोह में देश भर के विभिन्न संस्थानों का प्रतिनिधित्व करने वाले 46 से अधिक संकाय सदस्यों, शोधकर्ताओं और अकादमिक पेशेवरों की सक्रिय भागीदारी देखी गई। यह कार्यक्रम एक व्यापक और समृद्ध शैक्षणिक पहल की एक आशाजनक शुरुआत है। संपूर्ण एफडीपी का समन्वयन डॉ. बिजयानंद पटनायक, एनआईटी रायपुर और डॉ. एम. जगन मोहन राव, जीसीईटी हैदराबाद द्वारा किया जा रहा है, जिनकी सावधानीपूर्वक योजना और समर्पित प्रयास कार्यक्रम के सफल निष्पादन में सहायक हैं।

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

दैनिक
विश्व परिवार

बस्तर संभाग

रायपुर गुरूवार 01 मई 2025

संक्षिप्त समाचार

गरियाबंद में हर्षोल्लास से मनाया गया भगवान परशुराम जन्मोत्सव, भक्ति भाव से गूंजा वातावरण

गरियाबंद (विश्व परिवार)। आज नगर में भगवान परशुराम जी का जन्मोत्सव बड़े हर्ष और उल्लास के साथ मनाया गया। ब्राह्मण पुरोहित कल्याण संघ, गरियाबंद के तत्वावधान में मिनी स्टेडियम के समीप भगवान परशुराम की प्रतिमा पर विशेष पूजा-अर्चना एवं कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत भगवान परशुराम की विधिवत पूजा से हुई। इस अवसर पर पंडित रामकुमार शर्मा ने भगवान परशुराम के जीवन, उनके अवतार तथा महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि वे भगवान विष्णु के छठे अवतार हैं और चिरंजीवी संतों में से एक हैं। अक्षय तृतीया जैसे पावन अवसर पर उनका जन्मोत्सव मनाया जाता है। वे ब्राह्मण ऋषि जमदग्नि और क्षत्रिय कन्या रेणुका के पुत्र थे, जो अपने पराक्रम और धर्म रक्षा के लिए प्रसिद्ध हैं। कार्यक्रम के अंत में भगवान परशुराम की आरती की गई और श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरण किया गया। इस आयोजन में पंडित रामकुमार शर्मा, नरेंद्र तिवारी, विनोद दुबे, दीनू महाराज, शुभम दुबे सहित बड़ी संख्या में विप्र जन उपस्थित रहे।

सुशासन तिहार में सुभद्रा को मिला नवीन राशन कार्ड

सुकमा(विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के कुशल नेतृत्व में संचालित सुशासन तिहार अभियान, शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं को ज़रूरतमंदों तक पारदर्शिता के साथ और त्वरित प्रक्रिया के माध्यम से पहुँचाने में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हो रहा है। इसका मुख्य उद्देश्य पात्र हितग्राहियों को योजनाओं का त्वरित लाभ दिलाना और शासन-जनता के बीच सेतु का कार्य करना है, जिससे समाज के प्रत्येक वर्ग तक विकास की किरण पहुँच सके। कलेक्टर श्री देवेश कुमार ध्रुव के निर्देशन और मार्गदर्शन में सुशासन तिहार के अंतर्गत प्राप्त आवेदनों का संबंधित विभागों द्वारा तत्परता से निराकरण किया जा रहा है। इसी क्रम में सुशासन तिहार अंतर्गत श्रीमती सुभद्रा ढाली, निवासी शहीद चंद्रशेखर आज़ाद वार्ड, सुकमा द्वारा नवीन राशन कार्ड हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया था जिसे तत्काल सीएमओ श्री पीआर कोर्राम के द्वारा अवलोकन किया गया। आवेदन सही पाए जाने पर आवेदक को बुलाकर नवीन राशन कार्ड बनाकर प्रदान किया गया। सुशासन तिहार में आवेदन करने के पश्चात राशन कार्ड प्राप्त होते ही श्रीमती सुभद्रा के चेहरे पर संतोष और प्रसन्नता साफझलक रहा था। उन्होंने समाधान मिलते ही मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के प्रति कृतज्ञता प्रकट करते हुए शासन की त्वरित कार्यप्रणाली की सराहना की और कहा कि हमारे परिवार में कुल 3 सदस्य हैं।

तनाव मुक्त पुलिस बल की दिशा में गरियाबंद पुलिस की नई पहल ''संवाद''

गरियाबंद (विश्व परिवार)। गरियाबंद पुलिस अधीक्षक निखिल राखेचा के मार्गदर्शन में पुलिस बल के मानसिक स्वास्थ्य को लेकर एक अभिनव अभियान ''संवाद'' की शुरुआत की गई है। इस पहल का उद्देश्य तनावग्रस्त पुलिस जवानों की समस्याओं को समझना एवं उनका उचित समाधान प्रदान करना है।

पुलिस विभाग में कार्यरत जवान अक्सर ड्यूटी की कठिन चुनौतियों एवं पारिवारिक दबावों के चलते मानसिक तनाव का सामना करते हैं, जिसका प्रभाव उनके स्वास्थ्य और कार्यक्षमता दोनों पर पड़ता है। इन्हीं समस्याओं को ध्यान में रखते हुए ''संवाद'' अभियान की नींव रखी गई है।

''संवाद'' कार्यक्रम के अंतर्गत प्रत्येक सप्ताह गरियाबंद पुलिस लाइन में मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञों एवं वरिष्ठ अधिकारियों की टीम द्वारा समूहिक काउंसलिंग सत्र आयोजित किए जा रहे हैं। इन सत्रों में जवानों को खुलकर अपनी बात रखने का अवसर मिलता है, जिससे वे अपने तनाव, चिंताओं एवं समस्याओं को साझा कर सकें।

कार्यक्रम के दौरान टीम बिल्डिंग गतिविधियों के माध्यम से सकारात्मक वातावरण तैयार करने पर जोर दिया जा रहा है। ''संवाद'' का उद्देश्य केवल जवानों तक ही सीमित नहीं है, बल्कि उनके परिवारजनों को भी इस पहल से जोड़ा गया है, जिससे एक समग्र मानसिक स्वास्थ्य समर्थन तंत्र विकसित किया जा सके।

इस अभियान में जिला चिकित्सालय के मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञों एवं स्वास्थ्य विभाग की टीम का महत्वपूर्ण सहयोग प्राप्त हो रहा है। ''संवाद'' कार्यक्रम न केवल तनाव को कम करने का माध्यम है, बल्कि यह पुलिस बल के अंदरूनी संवाद और आपसी विश्वास को भी सशक्त करने की दिशा में एक प्रभावशाली कदम साबित हो रहा है।

उरमाल पीएचसी में लाखों की दवाइयां भीगीं, कलेक्टर ने लिया सख्त संज्ञान , जांच समिति सक्रिय

गरियाबंद (विश्व परिवार)। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी) उरमाल में जीवन रक्षक दवाइयों को खुले में रखे जाने और वर्षा में भीगने की गंभीर लापरवाही पर कलेक्टर बी. एस. उइके ने कड़ा रुख अपनाया है। मीडिया में आई खबरों को गंभीरता से लेते हुए उन्होंने तत्काल जांच के आदेश दिए हैं और 7 दिनों के भीतर प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं। कलेक्टर ने इस मामले की जांच के लिए अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) देवभोग तुलसीदास मरकाम को अध्यक्ष एवं तहसीलदार देवभोग को सदस्य बनाकर एक जांच समिति का गठन किया है। समिति ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आज उरमाल पीएचसी का दौरा किया और मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी।

एसडीएम मरकाम ने अस्पताल परिसर में रखी गई दवाइयों की स्थिति, भंडारण प्रक्रिया और अन्य व्यवस्थाओं का गहन निरीक्षण किया। उन्होंने मौके पर उपस्थित अस्पताल कर्मचारियों से भी आवश्यक जानकारी ली और लापरवाही के कारणों की पड़ताल की। मौके पर जांच समिति के सदस्य सहित पीएचसी के अधिकारी एवं अन्य कर्मचारी भी उपस्थित रहे। कलेक्टर ने स्पष्ट किया है कि इस प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और दोषियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

इस मामले ने स्वास्थ्य व्यवस्था की गंभीर खामियों को उजागर कर दिया है, जिससे आमजन की जान पर बन आ सकती है। प्रशासन की तत्परता से अब उम्मीद है कि दोषियों पर शीघ्र ही गाज गिरेगी।

कलेक्टर ने किया संयुक्त जिला कार्यालय के विभिन्न कक्षों का निरीक्षण

कार्यालय को व्यवस्थित रखने तथा साफसफाई की समुचित व्यवस्था करने के दिए निर्देश

बालोद(विश्व परिवार)। कलेक्टर श्रीमती दिव्या उमेश मिश्रा ने आज संयुक्त जिला कार्यालय के विभिन्न कक्षों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने सभी कार्यालय प्रमुखों एवं मौके पर उपस्थित अधिकारी-कर्मचारियों को कार्यालय में अधिकारी-कर्मचारियों की टेबल, कुर्सी के अलावा दस्तावेज आदि को व्यवस्थित कर कार्यालय के गरिमा के अनुरूप बेहतर एवं सुव्यस्थित स्वरूप में रख-रखाव सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इसके अलावा उन्होंने सभी अधिकारी-कर्मचारियों को अपने-अपने कार्यालयों में साफ-सफाई की भी समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा। कलेक्टर श्रीमती मिश्रा ने अपने-अपने कार्यालयों के अलावा कार्यालय के सामने स्थित बरामदे का भी नियमित रूप से साफ-सफाई कराने के निर्देश दिए। इस मौके पर कलेक्टर श्रीमती दिव्या उमेश मिश्रा ने संयुक्त जिला कार्यालय के प्रथम तल में स्थित आदिवासी विकास विभाग, खनिज, भू-अभिलेख, रिकार्ड रूम, खाद्य विभाग, जनसंपर्क विभाग, जिला योजना एवं सांख्यिकी, अंत्यावसायी, जिला हथकरघा, जिला कोषालय, आबकारी, स्वान कक्ष, महिला एवं बाल विकास विभाग, निर्वाचन, समग्र शिक्षा, क्रेडा एवं श्रम विभाग आदि का अवलोकन किया। श्रीमती मिश्रा ने भू-अभिलेख कार्यालय के निरीक्षण के दौरान कार्यालय में रखे गए पुराने दस्तावेजों का भी अवलोकन किया। उन्होंने कार्यालय के पुराने दस्तावेजों का अपलेखन कराने के निर्देश जिला नाजिर को दिए। श्रीमती मिश्रा ने रिकार्ड रूम के निरीक्षण के दौरान पुराने एवं जीर्णशीर्ण दस्तावेजों का भी अवलोकन किया।

कलेक्टर ने जनदर्शन कक्ष में पहुँचकर किया आगन्तुकों से मुलाकात

बालोद(विश्व परिवार)। कलेक्टर श्रीमती दिव्या उमेश मिश्रा ने आज जनदर्शन कक्ष में पहुँचकर अपने मांगों एवं समस्याओं को लेकर संयुक्त जिला कार्यालय के जनदर्शन कक्ष में आने वाले लोगों से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने अपने मांगों एवं समस्याओं के निराकरण हेतु कलेक्टर जनदर्शन में पहुँचे लोगों से मधुर एवं आत्मीय बातचीत कर उनके आने का कारण पूछा। कलेक्टर श्रीमती मिश्रा ने जनदर्शन कक्ष में उपस्थित बालोद विकासखण्ड के ग्राम तरौद की बुजुर्ग महिला श्रीमती सोमती बाई के पास पहुँचकर उनका हालचाल पूछा। बुजुर्ग श्रीमती सोमती बाई ने कहा कि उनके पास रहने के लिए ठीक से घर नही होने के कारण वे प्रधानमंत्री आवास योजना अंतर्गत अपने लिए आवास निर्माण की स्वीकृति हेतु जनदर्शन में आवेदन करने पहुँची है। इसी तरह कलेक्टर श्रीमती मिश्रा ने जनदर्शन में पहुँचे ग्राम टेकापार निवासी श्री भोजराम एवं डुड़िया निवासी श्री सुरेश कुमार सिन्हा के पास पहुँचकर उन्हें जनदर्शन में आने का कारण पूछा। श्री भोजराम ने प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ लेने हेतु तथा श्री सुरेश कुमार सिन्हा ने अपने गांव के गली से अतिक्रमण हटाने हेतु आवेदन प्रस्तुत करने के लिए जनदर्शन में उपस्थित होने की जानकारी दी। कलेक्टर श्रीमती मिश्रा ने सभी आवेदकों से आवेदन लेकर उनके मांगों एवं समस्याओं के निराकरण हेतु उचित कार्रवाई करने का आश्वासन भी दिया।

सुशासन तिहार-2025 : करमरी के सोलर ड्यूल पंप संयंत्र को कार्यशील करने से ग्रामीणों को सुलभ हो रहा पेयजल

जगदलपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ राज्य अक्षय ऊर्जा विकास अभिकरण के द्वारा जिले के विभिन्न स्थलों में पेयजल व्यवस्था हेतु 1043 नग सोलर ड्यूल पम्प तथा जल जीवन मिषन अंतर्गत 777 नग सोलर ड्यूल पम्प स्थापित किये गये हैं। इसी कड़ी में सुशासन तिहार-2025 में विकासखण्ड बस्तर अंतर्गत ग्राम करमरी भाटागुड़ा पारा के आवेदक श्री गणेश राम द्वारा क्रेडा विभाग से स्थापित सोलर ड्यूल पम्प संयंत्र अकार्यशील होने की शिकायत की गई थी। प्राप्त शिकायत पर क्रेडा कार्यालय द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए अकार्यशील संयंत्र को टेक्नीशियन भेजकर तकनीकी समस्या को दुरूस्त करके संयंत्र को गत 21 अप्रैल 2025 को कार्यशील किया गया है। सोलर ड्यूल पंप मरम्मत एवं सुधार हो जाने से ग्रामीणों के समस्या का समाधान होने के साथ ही ग्रीष्मकाल में उन्हें पेयजल सुलभ हो रहा है। क्रेडा द्वारा उक्त समस्या के निदान हेतु त्वरित कार्यवाही कर संयंत्र को कार्यशील करने से ग्रामीणों ने खुश होकर प्रशासन के प्रति आभार जताया है। सहायक अभियंता श्री सिदार ने इस बारे में बताया कि वर्तमान में क्रेडा के द्वारा मरम्मत योग्य सोलर ड्यूल पंपों का परीक्षण कर सुधार निरंतर किया जा रहा है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं विधायक किरण देव ने जगदलपुर में करोड़ों के विकास कार्यों का किया शुभारंभ

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं विधायक श्री किरण देव ने 33 करोड़ 23 लाख रूपए के विभिन्न विकास कार्यों का क्षेत्रवासियों को दी सौगात

व्यस्ततम धरमपुरा मार्ग चौड़ीकरण कार्य प्रारंभ*अग्रेसन चौक से पल्ली नाका तक 05 किमी सड़क चौड़ीकरण की बहुप्रतीक्षित मांग हो रही पूरी

व्यवस्थित जगदलपुर शहर का संकल्प साकार रूप ले रहा ,जनता की जरूरी मांगों को पूर्ण करना प्राथमिकता किरण देव

जगदलपुर (विश्व परिवार)। जगदलपुर विधानसभा क्षेत्र में नगर पालिक निगम में करोड़ों के निर्माण कार्यों का क्षेत्रवासियों को भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं विधायक श्री किरण देव ने दी सौगात। जगदलपुर की जनता की बहुप्रतीक्षित मांग अग्रसेन चौक से पल्ली नाका तक सड़क निर्माण 05 किलोमीटर चौड़ीकरण निर्माण कार्य लागत 27 करोड़ 91 लाख रूपए, कैलाश होटल चौक के सामने से हनुमान मंदिर धरमपुरा दलपत सागर तक 01 किलोमीटर सड़क चौड़ीकरण व मजबूतीकरण कार्य लागत 02 करोड़ 51 लाख रूपए, विवेकानंद आश्रम धरमपुरा से नेगीगुड़ा होते सर्वोदय स्कूल तक 1.45 किलोमीटर सड़क चौड़ीकरण व मजबूतीकरण कार्य का विधिवत शुभारंभ भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं विधायक श्री किरण देव एवं जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में विधिवत शुभारंभ किया गया। शुभारंभ कार्यक्रम के दौरान जनमानस संबोधित करते हुये भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं विधायक श्री किरण देव ने कहा कि प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनने के बाद लगातार चौमुखी विकास कार्य हो रहे हैं। उन्होंने कहा हमारा सपना अब साकार होने लगा है।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय जी के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ प्रदेश में सभी क्षेत्रों में विकास की गंगा बह रही है। हमारे मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय जी व उप मुख्यमंत्री श्री अरूण साव जी का सहृदय आभार व्यक्त किया। जगदलपुर शहर व ग्रामीण क्षेत्र की देवतुल्य जनता की वर्षो पुरानी बहुप्रतीक्षित मांग रही है । जिसके कार्य का आज विधिवत शुभारंभ किया गया। अग्रसेन चौक से पल्ली नाका तक के सड़क की बहुप्रतीक्षित मांग को पूरा किया जा रहा है। इस सड़क के निर्माण से जनता को यातायात बाधित की समस्या से निजात मिलेगा। सड़क निर्माण से दुर्धटना नहीं होगी। वहीं कैलाश होटल चौक के सामने से हनुमान मंदिर धरमपुरा चौक तक सड़क चौड़ीकरण व मजबूतीकरण तथा विवेकानंद आश्रम धरमपुरा से नेगीगुड़ा होते सर्वोदय स्कूल तक के सड़क निर्माण कार्य से क्षेत्र की जनता को काफी लाभ मिलेगा। हमारी सरकार जनता के मांग के अनुरूप लगातार क्षेत्र का विकास कार्य कर रही है। श्री देव ने कहा विकास कार्य में राशि की कमी नहीं होगी, दृढ़ संकल्प के साथ विकास कार्य होंगे, हमारी 15 महीने की भाजपा सरकार ने हर क्षेत्र में विकास के आयाम स्थापित किए हैं। शिक्षा , स्वास्थ्य,सड़क, पानी, बिजली व अन्य व्यवस्थाओं को जनता तक पहुंचाना हमारा दायित्व है। जनता के अपेक्षाओं के अनुरूप कार्य करते विकास कार्य को तेजी से आगे बढ़ाने का कार्य किया जायेगा। जनता के मंशा के अनुरूप विकास कार्य होंगे।

श्री देव ने संबंधित विभाग को तय समय सीमा व गुणवत्ता के साथ कार्य करने का निर्देश दिया।

इस दौरान महापौर श्री संजय पांडे ने कहा कि भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं विधायक श्री किरण देव के नेतृत्व में क्षेत्र में चौमुखी विकास हो रहा है। हर आयाम में विकास हो रहा है। हमारे मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय जी एवं उप मुख्यमंत्री श्री अरूण साव जी को सहृदय धन्यवाद। महापौर ने प्रदेश अध्यक्ष एवं विधायक श्री किरण देव को विकास पुरुष कि संज्ञा दी । जिनके नेतृत्व में हर क्षेत्र में विकास कार्य तेजी गति से हो रहा है । श्री पांडे ने कहा कार्य क्षेत्रवासियों की तरफसे मांग व समस्याओं को विधायक श्री किरण देव तत्काल पूरा करते हैं। इस दौरान निगम अध्यक्ष खेमसिंह देवांगन,एमआईसी सदस्य निर्मल पाणिग्रही, संग्राम सिंह राणा, सुरेश गुप्ता, लक्ष्मण झा,राणा धोष ,संजय विश्वकर्मा,त्रिवेणी रंधारी,कलावती कसेर पार्षद बसंती समरथ, संतोष गौर,पूनम सिन्हा, नरसिंह राव,उमा मिश्रा,पायल बोथरा, श्याम सुंदर,एवं विधाशरण तिवारी, पूर्व महापौर सफीरा साहू,नगर अध्यक्ष प्रकाश झा, आरेंद्र सिंह, रजनीश पानीग्राही, यशवर्धन राव, आनंद मोहन मिश्रा, शशि रथ, विक्रम यादव, अविनाश श्रीवास्तव,बी जयराम,अनिल लुक्कड़, शंभू नाग,राजा यादव, कार्यपालन अभियंता राजीव बतरा,तथा काफी संख्या में जनमानस उपस्थित थे।

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

दैनिक
विश्व परिवार

खेल-व्यापार

रायपुर गुरूवार 01 मई 2025

व्यापार समाचार

ओपनएआई ने चैटजीपीटी सर्च को लेकर पेश किए नए सुधार

नई दिल्ली(एजेंसी)। ओपनएआई ने मंगलवार को चैटजीपीटी सर्च को लेकर कई नए सुधारों को पेश करने की घोषणा की। इसमें यूजर के लिए बेहतर शॉपिंग एक्सपीरियंस को भी शामिल किया गया है।'सर्च' चैटजीपीटी के सबसे लोकप्रिय फीचर्स में से एक है। पिछले हफ्ते में ही 1 बिलियन से अधिक वेब सर्च रिकॉर्ड किए गए हैं। सैम ऑल्टमैन द्वारा संचालित कंपनी ने कहा, चैटजीपीटी यूजर्स अब किसी प्रोडक्ट को सर्च करने से लेकर प्रोडक्ट की खरीदारी तक कर सकते हैं। इसके अलावा, यूजर्स के लिए प्रोडक्ट कंपेयर करने की सुविधा भी मौजूद है। यूजर्स के पास पर्सनलाइज्ड रिकमेंडेशन, विजुअल प्रोडक्ट डिटेल्स, प्राइसिंग, प्रोडक्ट रिव्यू और खरीदारी के डायरेक्ट लिंक की सुविधा मौजूद होगी। कंपनी ने आगे कहा कि प्रोडक्ट से जुड़े रिजल्ट स्वतंत्र रूप से चुने जाते हैं और विज्ञापन नहीं होते हैं। ओपनएआई ने कहा, चैटजीपीटी में व्यापार अभी भी शुरुआती चरण में है और हम व्यापारियों को अपनी यात्रा में शामिल करना जारी रखेंगे क्योंकि हम तेजी से सीखने पर ध्यान देते हैं। शॉपिंग को लेकर इन नए सुधारों को हर उस बाजार के लिए लाया जा रहा है, जहां चैटजीपीटी उपलब्ध है। इसके साथ ही यह सुविधा प्लस, प्रो, फ्री और लॉग-आउट यूजर्स के लिए लाई जा रही है। ओपनएआई के अनुसार, मेमोरी जल्द ही सर्च और शॉपिंग के साथ काम करेगी। इसका मतलब है कि चैटजीपीटी यूजर के साथ पहले हुई बातचीत से कॉन्टेक्स्ट समझने की कोशिश करेगा, ताकि यूजर के लिए बेहतर जवाब पेश कर सके। कंपनी ने कहा, यूजर का चैटजीपीटी की मेमोरी पर पूरा कंट्रोल होगा, जिसे सेटिंग में जाकर किसी भी समय अपडेट किया जा सकेगा। हम इसे कुछ ही हफ्तों में रोलआउट करने की योजना बना रहे हैं। यह ईईए, यूके, स्विटजरलैंड, नॉर्वे, आइसलैंड और लिकटेंस्टीन को छोड़कर सभी प्लस और प्रो यूजर्स के लिए होगा। चैटजीपीटी को व्हाट्सएप मैसेज भेजकर अप-टू-डेट जवाब पाया जा सकता है। यह सुविधा चैटजीपीटी के साथ सभी यूजर्स के लिए उपलब्ध है। इसके अलावा, व्हाट्सएप इंटीग्रेशन के बारे में अधिक जानकारी ली जा सकती है और क्यूआर कोड की मदद से व्हाट्सएप कॉन्टैक्ट में चैटजीपीटी को जोड़ा जा सकता है। चैटजीपीटी अब किसी दिए गए विचार के लिए कई साइटेशन शामिल कर सकता है ताकि यूजर्स जवाबों के बारे में अधिक जानकारी ले सकें और साथ ही अलग-अलग सोर्स से जानकारियों को वेरिफाई कर सकें। कंपनी का कहना है कि जवाब में किस साइटेशन को कहां से लिया गया है, इसे अलग से ज्यादा स्पष्ट तरीके से दिखाने के लिए एक नए 'हाइलाइट' यूआई को भी लाया गया है। इसके अलावा, यूजर्स अब चैटजीपीटी से रियल-टाइम सुझावों के साथ तेज सर्च रिजल्ट पा सकते हैं।

भारत ने 60 बिलियन डॉलर की गेमिंग इकोनोमी के लिए अपने दृष्टिकोण का अनावरण किया: इंडिया गेमिंग रिपोर्ट 2025 हुई जारी

मुंबई : भारत ने आज अपनी बहु-प्रतीक्षित इंडिया गेमिंग रिपोर्ट 2025 का आधिकारिक लॉन्च किया। विंज़ो और इंटरैक्टिव एंटरटेनमेन्ट एण्ड इनोवेशन काउन्सिल द्वारा संयुक्त रूप से किए गए इस अध्ययन के अनुसार भारत का गेमिंग सेक्टर 2034 तक 60 बिलियन अमेरिकी डॉलर के आंकड़े तक पहुंच सकता है। 3.7 बिलियन अमेरिकी डॉलर के मौजूदा अवमूल्यन और अनुमानित 19.6 फीसदी सीएजीआर (वित्तीय वर्ष 24-29 ई) के साथ, भारत का गेमिंग सेक्टर तेज़ी से विकसित हो रहा है, और एक अनुमान के मुताबिक यह 2029 तक 9.1 बिलियन डॉलर के आंकड़े को पार कर जाएगा। इस सेक्टर में 1888 गेमिंग कंपनियां हैं, जो 130,000 से अधिक लोगों को रोज़गार देती हैं। यूज़र बेस की बात करें तो तकरीबन 9600 बिलियन यूज़र इस सेक्टर के साथ जुड़े हुए हैं, यह आंकड़ा 2029 तक 952 मिलियन तक पहुंचने की संभावना है।

रिपोर्ट के अनुसार उचित विनियमों, निवेश एवं आधुनिक सिस्टम के साथ-

यह सेक्टर मेक इन इंडिया टेक और निर्यात के लिए आईपी के निर्माण द्वारा 2 मिलियन कुशल नौकरियां उत्पन्न करने की क्षमता रखता है।

यह सेक्टर आईपीओ के ज़रिए 3 सालों के भीतर निवेशकों से 26 बिलियन डॉलर जुटा सकता है।

ग्लोबल गेमिंग इकोनोमी में भारत की मौजूदा हिस्सेदारी 1.1 फीसदी है जो 2034 तक 20 फीसदी तक पहुंच सकती है। इंडिया गेमिंग रिपोर्ट 2025 गेमिंग आईपी में एक उपभोक्ता के बजाए विश्वस्तरीय उत्पादक एवं निर्यातक बनने के भारत के बदलावों पर रोशनी डालती है। अच्छे डोमेस्टिक मार्केट और विश्वस्तरीय महत्वाकांक्षाओं के साथ भारत डिजिटल एंटरटेनमेन्ट के नए दौर का मार्ग प्रशस्त कर सकता है।' पावन नंदा, सह-संस्थापक, विंज़ो ने भारत के प्रमुख एम एण्ड ई समिट वेव्स 2025 के दौरान लॉन्च के अवसर पर कहा। रिपोर्ट के अनुसार अब तक भारत के गेमिंग सेक्टर द्वारा 93 बिलियन अमेरिकी डॉलर का प्रत्यक्ष विदेशी निवेश आकर्षित हो चुका है, जिसमें से 90 फीसदी से अधिक पे-टू-प्ले (रियल मनी गेमिंग) सेगमेन्ट में आया है। पे-टू-प्ले एक भारतीय इनोवेशन है- यह भारत के यूनिफाईड पेमेंट इंटरफेस (यूपीआई-) की सफलता पर निर्मित माइक्रो-ट्रांज़ेक्शन पर आधारित मॉडल है- जो गेमिंग सेक्टर को आर्थिक रूप से व्यवहारिक बनाने में कारगर साबित हुआ है। मॉनेटाइज़ेशन के पारम्परिक मॉडलों जैसे इन-ऐप खरीद एवं एडवरटाइज़िंग की बात करें तो भारतीय बाज़ार में गेमिंग कंटेंट के कंज़्प्शन की तुलना में इसकी स्केलेबिलिटी सीमित रही है। पे-टू-प्ले भारत का अनूठा इनोवेशन है, जिसने मॉनेटाइज़ेशन की खामियों को दूर कर ऐसा स्थायी मॉडल प्रस्तुत किया जो सेक्टर को व्यवहारिक बनाता है, विश्वस्तरीय निवेश आकर्षित करता है और देशी-विदेशी स्तर पर भारतीय गेमिंग कंपनियों के विकास को गति प्रदान करता है। आज के दौर में गेमिंग भारत के नए मीडिया मार्केट (12.5 बिलियन अमेरिकी डॉलर) में 29.6 फीसदी का योगदान देती है, जो ओटीटी, ऑडियो, एनीमेशन और सोशल मीडिया की तुलना में अधिक है।

हरे निशान में बढ़त के साथ खुला भारतीय शेयर बाजार

निफ्टी 24,400 स्तर से ऊपर

मुंबई (एजेंसी)। वैश्विक बाजारों से सकारात्मक संकेतों के बीच मंगलवार को भारतीय शेयर बाजार हरे निशान में बढ़त के साथ खुले। शुरुआती कारोबार में पीएसयू बैंक, ऑटो और आईटी सेक्टर में खरीदारी दर्ज की गई। सुबह करीब 9.25 बजे सेंसेक्स 409.4 अंक या 0.51 प्रतिशत बढ़कर 80,627.85 पर कारोबार कर रहा था, जबकि निफ्टी 118.10 अंक या 0.49 प्रतिशत चढ़कर 24,446.60 पर था।निफ्टी बैंक 492.90 अंक या 0.89 प्रतिशत बढ़कर 55,925.70 पर था। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 490.90 अंक या 0.43 प्रतिशत बढ़कर 54,931.15 पर कारोबार कर रहा था। निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 183.15 अंक या 1.10 प्रतिशत चढ़कर 16,860.05 पर था। विश्लेषकों के अनुसार, सकारात्मक शुरुआत के बाद निफ्टी को 24,250 पर समर्थन मिल सकता है। उच्च स्तर पर 24,500 तत्काल प्रतिरोध हो सकता है, इसके बाद 24,600 और 24,700 पर प्रतिरोध होंगे। चॉइस ब्रोकिंग के हार्दिक मटालिया ने कहा, बैंक निफ्टी के चार्ट संकेत देते हैं कि इंडेक्स को 55,300 पर समर्थन मिल सकता है, इससे पहले 55,000 और 54,700 स्तर पर समर्थन मिल सकता है। अगर इंडेक्स आगे बढ़ता है, तो 55,600 शुरुआती प्रमुख प्रतिरोध होगा, उसके बाद 55,900 और 56,200 स्तर प्रतिरोध होंगे। इस बीच, सेंसेक्स पैक में इंडसइंड बैंक, बजाज फिनसर्व, एक्सिस बैंक, टाटा मोटर्स, एमएंडएम, टाइटन, एसबीआई, बजाज फाइनेंस, इटरनल, मारुति सुजुकी और पावर ग्रिड टॉप गेनर्स रहे। जबकि अल्ट्राटेक सीमेंट, नेस्ले इंडिया, सन फार्मा और एशियन पेंट्स टॉप लूजर्स रहे। पीएल कैपिटल ग्रुप की टेक्निकल रिसर्च - वाइस प्रेसिडेंट, वैशाली पारेख ने कहा, सेंसेक्स ने 79,100 स्तर के महत्वपूर्ण 200डीएमए जोन को बनाए रखा, जहां इंडेक्स को इंट्राडे सेशन के दौरान मजबूत समर्थन मिला है। साथ ही, रुझान को बेहतर बनाने के लिए 61.8 प्रतिशत रिट्रेसमेंट स्तर की ओर एक अच्छी रैली देखी गई। उन्होंने कहा, ऊपर की ओर, आने वाले दिनों में और वृद्धि की उम्मीद करते हुए ब्रेकआउट के लिए ट्रिगर करने के लिए इंडेक्स को 80,400 के स्तर के प्रतिरोध क्षेत्र से ऊपर एक बड़े ब्रीच की जरूरत होगी। एशियाई बाजारों में चीन और बैंकॉक लाल निशान पर कारोबार कर रहे थे, जबकि जकार्ता, सोल, हांगकांग और जापान के बाजार हरे निशान पर कारोबार कर रहे थे। अमेरिकी बाजारों में पिछले कारोबारी सत्र में डाउ जोंस 0.28 प्रतिशत बढ़कर 40,227.59 पर बंद हुआ।

ट्रेन में वेटिंग टिकट पर सफर करने वालों के लिए बड़ी खबरे, जान लें नहीं तो परेशानी में पड़ जाएंग

नई दिल्ली(एजेंसी)। ट्रेन से यात्रा करने वाले करोड़ों यात्रियों के लिए एक महत्वपूर्ण अपडेट सामने आया है। भारतीय रेलवे 1 मई से कंफर्म टिकट वाले यात्रियों की सुविधा सुनिश्चित करने के लिए वेटिंग टिकट पर स्लीपर और एसी कोच में यात्रा करने वालों पर सख्ती बरतने जा रहा है। नए नियमों के तहत, यदि किसी यात्री के पास वेटिंग टिकट है, तो उसे केवल जनरल क्लास (अनरिजर्व्ड कोच) में ही यात्रा करने की अनुमति होगी। आईआरसीटीसी से ऑनलाइन बुक की गई वेटिंग टिकट चार्ट बनने के बाद अपने आप रद्द हो जाती है, लेकिन कई यात्री काउंटर से वेटिंग टिकट लेकर आरक्षित डिब्बों में यात्रा करने का प्रयास करते हैं, जिससे कंफर्म टिकट वाले यात्रियों को असुविधा होती है। 1 मई से नियमों को सख्ती से लागू किया जाएगा। यदि कोई यात्री वेटिंग टिकट के साथ स्लीपर या एसी कोच में पाया जाता है, तो टिकट चेकिंग स्टाफ (टीटीई) उस पर नियमानुसार जुर्माना लगा सकता है या उसे जनरल कोच में भेज सकता है। उत्तर पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी कैप्टन शशि किरण ने पुष्टि की है कि यह कदम कंफर्म टिकट वाले यात्रियों की यात्रा को आरामदायक बनाने के उद्देश्य से उठाया गया है।

राजस्थान ने गुजरात को हराकर प्लेऑफ में पहुंचने की उम्मीदें रखीं बरकरार

वैभव सूर्यवंशी बने प्लेयर ऑफ द मैच

जयपुर(एजेंसी)। आईपीएल 2025 के 47वें मुकाबले में वैभव सूर्यवंशी की 35 बॉल में 7 चौके और 11 छक्कों की मदद से खेली गई शतकीय पारी की बदौलत राजस्थान रॉयल्स ने गुजरात टाइटंस को 8 विकेट से हरा दिया है. वैभव को उनके शानदार प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ द मैच का अवार्ड मिला. इस जीत के राजस्थान प्लेऑफ में पहुंचने की रेस में बनी हुई है. इस मैच में राजस्थान रॉयल्स ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया. गुजरात की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 4 विकेट खोकर 209 रन बनाए. राजस्थान रॉयल्स की टीम ने 15.5 ओवर में 2 विकेट के नुकसान पर 212 रन बनाकर 8 विकेट से जीत दर्ज कर ली. इस मैच में राजस्थान रॉयल्स के लिए वैभव सूर्यवंशी ने 38 बॉल में 101 रनों की पारी खेली. तो वहीं यशस्वी जायसवाल ने 40 बॉल में 9 चौके और 2 छक्कों के साथ नाबाद 70 रनों की पारी खेली. टीम के लिए नीतीश राणा ने 4 और रियान पराग ने 15 बॉल में 2 चौके और 2 छक्के के 32 रनों की नाबाद पारी खेली और अपनी टीम को 8 विकेट से जीत दिला दी.

आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्र बाबू नायडू ने शरानी की 'माइंडसेट शिफ्ट' पुस्तक का अनावरण किया

नई दिल्ली। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू और सिने अभिनेता कोनिडेला चिरंजीवी ने हाल ही में नगर प्रशासन मंत्री पी नारायण की बेटी शारानी पोंगुरु द्वारा लिखित पुस्तक 'माइंडसेट शिफ्ट' का विमोचन किया। इस अवसर पर बोलते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि जीवन में सफलता के लिए सकारात्मक सोच और दृढ़ निश्चय आवश्यक है, उन्होंने सुझाव दिया कि व्यक्ति को सही समय पर सही अवसर का उपयोग करना चाहिए और लक्ष्य तक पहुँचने के लिए ईमानदारी से कड़ी मेहनत करनी चाहिए। कार्यक्रम के दौरान पुस्तक की पहली प्रति चिरंजीवी को भेंट की गई। भारत की नंबर 1 मूवी इवेंट और प्रमोशनल कंपनी श्रेयस मीडिया ने पुस्तक लॉन्च समारोह का सफलतापूर्वक आयोजन किया।

लेखक द्वारा पूछे गए सवालों का जवाब देते हुए नायडू ने मंत्री नारायण की बेटियों की उपलब्धियों की प्रशंसा की। उन्होंने कहा, मैंने उन्हें बचपन से देखा है। यह प्रभावशाली है कि कैसे शारानी और उनकी बहन सिंधुरा नारायण शैक्षणिक संस्थानों का प्रबंधन करने वाली मजबूत लीडर बन गई हैं। उन्होंने संस्थान द्वारा स्थापित मानसिकता की सराहना की, जिसे उन्होंने इसका ब्रांड बताया। नायडू ने कहा, मैं 47 सालों से जो कर रहा हूं, आप कम उम्र में कर रहे हैं। सही मानसिकता के माध्यम से एक औसत छात्र भी प्रतिभाशाली बन जाता है। सफलता प्राप्त होने तक नारायण कभी आराम नहीं करते हैं। उन्होंने शारानी को एक किताब लिखने के लिए बधाई दी, जिसमें संदेश दिया गया है कि मानसिकता में बदलाव से कुछ भी हासिल किया जा सकता है। शारानी पोंगुरु, एक दूरदर्शी लीडर और नारायण समूह की डायरेक्टर है। वह एक सर्टिफाइड मास्टर हिप्नोसिस प्रैक्टिशनर भी हैं, जिन्हें टोनी रॉबिंस मैथोडॉलॉजीज़ द्वारा स्ट्रेटेजिक इंटरवेंशन कोचिंग में ट्रेनिंग किया गया है, वे सर्टिफ़ाइज़ आईसीएफ कोच और एनएलपी सर्टिफायर हैं। माइंडसेट शिफ्ट सिर्फ़ एक और किताब नहीं है - यह एक ट्रांसफ़ॉर्मेशनल ब्लूप्रिंट है जो हमारे सोचने, कार्य करने और सफलता प्राप्त करने के तरीके को बदल देगा। यह पुस्तक व्यक्तियों को उनकी मानसिक बाधाओं को तोड़ने और उनकी उच्चतम क्षमता को अनलॉक करने में मदद करने के लिए डिज़ाइन की गई है। माइंडसेट शिफ्ट मार्केट में चर्चा का विषय बन रही है और लेखक इस पुस्तक को ग्लोबल स्तर पर लॉन्च करने की योजना बना रहे हैं।

ओपिनियन ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म' पर लेनदेन करने वाली जनता को चेतावनी

रायपुर› भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के ध्यान में आया है कि 'ओपिनियन ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म' के नाम से जाने जाने वाले कुछ प्लेटफॉर्म अपने उपयोगकर्ताओं/प्रतिभागियों को ट्रेडिंग करने/व्यवस्था में प्रवेश करने के लिए एक प्लेटफॉर्म प्रदान करते हैं, जिसमें भुगतान अंतर्निहित घटना के होने या न होने के हां/नहीं प्रस्ताव के परिणाम पर निर्भर करता है। कुछ मामलों में, प्रतिभूति में ट्रेड से जुड़े शब्द जैसे प्रॉफिट, स्टॉप लॉस, ट्रेडिंग आदि जैसे शब्दों का उपयोग करने के कारण ओपिनियन ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म इन्वेस्टमेंट प्लेटफॉर्म जैसे दिखते है।

उपर्युक्त को देखते हुए, निवेशकों को यह ध्यान रखने की सलाह दी जाती है कि सामान्य तौर पर, ओपिनियन ट्रेडिंग सेबी के विनियामक दायरे में नहीं आती है, क्योंकि जो ट्रेड किया जाता है वह प्रतिभूति नहीं है। निवेशकों/प्रतिभागियों को पता होना चाहिए कि प्रतिभूति बाजार के दायरे में कोई निवेशक सुरक्षा तंत्र ऐसे निवेश/भागीदारी के लिए उपलब्ध नहीं होगा। चूंकि ओपिनियन ट्रेडिंग प्रदान करने वाले किसी भी प्लेटफॉर्म को मान्यता प्राप्त स्टॉक एक्सचेंज होने का अधिकार नहीं है, और न ही वे सेबी द्वारा पंजीकृत या विनियमित हैं, इसलिए उन पर प्रतिभूतियों का कोई भी व्यापार अवैध है (यदि ट्रेड किए गए कुछ ओपिनियन, प्रतिभूति के रूप में योग्य हैं)। ऐसे प्लेटफॉर्म उस मामले में उल्लंघन के लिए कार्रवाई का सामना करने के लिए उत्तरदायी हैं। मान्यता प्राप्त स्टॉक एक्सचेंजों को ऐसे उल्लंघनों के लिए उचित कार्रवाई शुरू करने की सलाह दी जाती है। इस मामले में भी निवेशक/प्रतिभागियों को अवगत कराया जाता है कि निवेशक सुरक्षा तंत्र में से कोई भी उपलब्ध नहीं होगा क्योंकि उनके ट्रेड किसी मान्यता प्राप्त स्टॉक एक्सचेंज पर नहीं होंगे। इस प्रेस विज्ञप्ति का उद्देश्य ओपिनियन ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म के संबंध में सेबी की भूमिका के बारे में जागरूकता पैदा करना है।

कार्यालय कार्यपालन अभियंता, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी
खंड, खैरागढ़-छुईखदान-गण्डई (छ.ग.)
Email- eekhaira-phe@cg.gov.in

ई-प्रोक्युरमेंट निविदा सूचना

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से प्रपत्र-''ए'' में प्रतिशत दर पर जल जीवन मिशन के रेट्रोफिटिंग/ सिंगल विलेज नलजल प्रदाय योजनांतर्गत निर्माण कार्यों हेतु निम्नलिखित आनलाईन (OnLine) निविदा आमंत्रित की जाती है.

स. क्र.	निविदा क्र./ दिनांक सिस्टम टेंडर क्र.	कार्य का विवरण	अनुमानित लागत (रु. लाख में)
1	1/24.04.2025, 167444	विकासखंड छुईखदान के ग्राम रामपुर _Retro I	47.32
2	2/24.04.2025, 167445	विकासखंड छुईखदान के ग्राम श्यामपुर _SVS I	37.90
3	3/24.04.2025, 167446	विकासखंड छुईखदान के ग्राम सुराडबरी Retro I	40.74
4	4/24.04.2025, 167447	विकासखंड छुईखदान के ग्राम उदान SVS I	31.56
5	5/24.04.2025, 167448	विकासखंड खैरागढ़ के ग्राम खैरबना SVS I	49.63
6	6/24.04.2025, 167452	विकासखंड छुईखदान के ग्राम मुरई SVS I	34.48
7	7/24.04.2025, 167453	विकासखंड छुईखदान के ग्राम मोहगांव SVS I	9.54
8	8/24.04.2025, 167455	विकासखंड छुईखदान के ग्राम कोड़का SVS I	43.81
9	9/24.04.2025, 167456	विकासखंड खैरागढ़ के ग्राम सिवनी, टिंगामाली, भरदाकला _SVS I	29.59
10	10/24.04.2025, 167457	विकासखंड छुईखदान के ग्राम बुन्देली _Retro I	22.40

नोट :- उपरोक्त निर्माण कार्य की निविदा की सामान्य शर्तें धरोहर राशि की विस्तृत निविदा, विज्ञापित निविदा, दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेब पोर्टल (https://eproc.cgstate.gov.in) से दिनांक 26.04.2025 से देखा जा सकता है एवं दिनांक 14.05.2025 सायं 5:30 बजे तक डाउनलोड की जा सकती है.

कार्यपालन अभियंता
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड
खैरागढ़-छुईखदान-गंडई (छ.ग.)

G-252600546/3

बर्खास्त सहायक शिक्षकों के समायोजन के महत्वपूर्ण निर्णय के लिए मुख्यमंत्री का धन्यवाद : बृजमोहन अग्रवाल

रायपुर (विसं)। सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने बर्खास्त सहायक शिक्षकों के समायोजन के महत्वपूर्ण निर्णय के लिए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का धन्यवाद दिया है, X पोस्ट में सांसद ने लिखा, सीधी भर्ती 2023 में सेवा समाप्त किए गए 2621 बी.एड. अर्हताधारी सहायक शिक्षकों को सहायक शिक्षक विज्ञान (प्रयोगशाला) के पद पर समायोजित करने का ऐतिहासिक निर्णय प्रदेश के शिक्षकीय सम्मान और न्यायप्रिय शासन का प्रतीक है।

दसवीं-बारहवीं आई.सी.एस.ई परीक्षा परिणाम घोषित

राजकुमार कॉलेज : आई.सी.एस.ई (I.C.S.E.) 2025 कक्षा दसवीं बोर्ड के परीक्षा परिणाम

रायपुर (विश्व परिवार)। आज दिनांक 30. 04. 2025 को कॉउन्सिल फॉर इंडियन सर्टिफिकेट परीक्षा (CISCE), नई दिल्ली ने वर्ष 2024 – 25 के कक्षा दसवीं बोर्ड परीक्षा (I.C.S.E - X) के परिणाम घोषित किए। राजकुमार कॉलेज, रायपुर (छ.ग) के विद्यार्थियों का प्रदर्शन इस परीक्षा में शानदार रहा । शीर्ष विद्यार्थियों की सूची इस प्रकार है–

SCIENCE STREAM (विज्ञान संकाय) TOPPERS:

अथर्व अग्रवाल (97.00 %) ईशान अग्रवाल (96.20%) रीत खेतपाल (95.80 %)

COMMERCE STREAM (वाणिज्य संकाय) TOPPERS:

श्रीविद्या सिंह देव (96.40%) यश मोदी (95.20 %) सिद्धेश्वरी सिंह देव (94.60%)

182 विद्यार्थी प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण हुए। 41 छात्रों ने 90त्न से ज़्यादा अंक अर्जित किए, जबकि 142 छात्रों ने 75त्न से ज़्यादा अंक प्राप्त किए। राजकुमार कॉलेज प्रबंध समिति के सदस्य एवं प्राचार्य द्वारा सभी विद्यार्थियों और उनके पालकों को शुभकामनाएं दी गई।

राजकुमार कॉलेज : आई.एस.सी. (I.S.C.) 2025 कक्षा बारहवीं बोर्ड के परीक्षा परिणाम

GOVIND KHETPAL (98.75%) TANVEER BHAMRA (97.75 %) VAIBHAV BANCHHOR (95.75%)

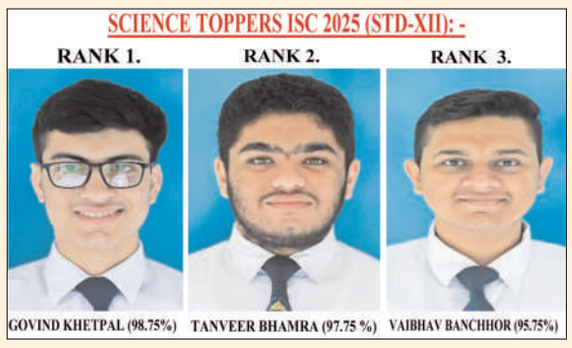

आज दिनांक 30.04.2025 को काउन्सिल फॉर इंडियन सर्टिफिकेट परीक्षा (CISCE), नई दिल्ली ने वर्ष 2024–25 के कक्षा बारहवीं बोर्ड परीक्षा (ISC-XII) के परिणाम घोषित किये। राजकुमार कॉलेज रायपुर, छत्तीसगढ़ के विद्यार्थियों का प्रदर्शन इस परीक्षा में शानदार रहा। शीर्ष विद्यार्थियों की सूची इस प्रकार है–

SCIENCE STREAM- गोविंद खेतपाल 98.75 प्रतिशत, तनवीर भामरा 97.75 प्रतिशत, वैभव बंछोर 95.75 प्रतिशत।

COMMERCE STREAM- तुष्टि अग्रवाल 96.50 प्रतिशत, याशवी अग्रवाल 96.00 प्रतिशत, सृष्टि अग्रवाल 95.75 प्रतिशत।

HUMANITIES STREAM- अनुकल्प अग्रवाल 95.75 प्रतिशत, श्वेता सिंह 94.75 प्रतिशत, अदिति सिंह ठाकुर 94.00 प्रतिशत।

144 विद्यार्थी प्रथम श्रेणी में उतीर्ण हुए। साथ 29 ऐसे हैं जिन्होंने 90 प्रतिशत या उससे अधिक अंक अर्जित किए हैं तथा 107 विद्यार्थी 75 प्रतिशत या उससे अधिक अंक प्राप्त प्राप्त करने में सफल हुए हैं। राजकुमार कॉलेज, रायपुर प्रबंध समिति के सदस्य एवं प्राचार्य द्वारा सभी विद्यार्थियों और उनके पालकों को शुभकामनाएँ दी गई।

सेंट जेवियर्स के विद्यार्थियों ने एक बार फिर आईसीएसई, आईएससी परीक्षाओं में शानदार प्रदर्शन किया

रायपुर (विश्व परिवार)। आज सेंट ज़ेवियर्स शाला में ICSE (10th) तथा ङ्कस्ष्ट (12th) का परिणाम घोषित किया गया। कक्षा दसवी तथा 12वीं का परिणाम 100 प्रतिशत रहा। इस अवसर पर शाला के संस्थापक डॉ ए एफ़ पिंटो सर तथा मैडम डॉ. ग्रेस पिंटो एवं पालकों ने छात्रों का अभिनंदन करते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। शाला की प्रिंसिपल श्रीमति हनी साहू सभी छात्रों तथा पालकों को इस अवसर पर बधाई देते हुए उनके भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी। बारहवीं कक्षा के वाणिज्य निकाय में प्रथम स्थान पर कु. अन्वेषा साव 95 प्रतिशत द्वितीय स्थान पर कु. रिया पटेल 93 प्रतिशत एवं तृतीय स्थान पर संयम बेगानी 91.75 प्रतिशत हासिल कर शाला का गौरव बढ़ाया। अन्वेषा साव ने अर्थशास्त्र में 99 अंक हासिल किए रिया पटेल ने एकाउंट विषय में 98 अंक हासिल किए अंग्रेज़ी विषय में छात्रों ने 95 अंक हासिल किए। बारहवीं कक्षा के विज्ञान विषय में श्रेयांश सारस 90.5 प्रतिशत द्वितीय सौम्लय मुखर्जी 88.25 तृतीय स्थान श्रेया कुशवाहा 85.5 अंक हासिल कीए। दसवी कक्षा में प्रथम स्थान पर आरव चौहान 96.2 प्रतिशत द्वितीय स्थान पर आदर्श सतपती 95.4 प्रतिशत एवं तृतीय स्थान पर 95 प्रतिशत वीरता बजाज रही।

अंतराष्ट्रीय लॉ मूट कोर्ट प्रतियोगिता ऑक्सफोर्ड में जज बनी छत्तीसगढ़ की सुगंधा जैन

विश्व पटल पर भारत का नाम रोशन किया, सम्पूर्ण भारत से बतौर जज अकेले हुई शामिल

रायपुर (विश्व परिवार)। बोनवेरो इंस्टीट्यूट ऑफ ह्यूमन राइट्स की ओर से 21 अप्रैल से शुक्रवार 25 अप्रैल 2025 के बीच ऑक्सफोर्ड में आयोजित हुए 18वें वार्षिक मोनरो ई. प्राइस मीडिया लॉ मूट कोर्ट प्रतियोगिता के अंतर्राष्ट्रीय राउंड में छत्तीसगढ़ की बेटी और सुप्रीम कोर्ट की वकील सुगंधा जैन संपूर्ण भारत से बतौर जज अकेले शामिल हुई। यह पहला अवसर था जब विधि से जुड़ा छत्तीसगढ़ का कोई व्यक्ति अंतराष्ट्रीय लॉ से संबद्ध आयोजन में जज बनी है।

इस प्रतिष्ठित आयोजन में दुनिया भर के लगभग 150 देशों के लॉ यूनिवर्सिटी के छात्र शामिल हुए थे। इस अवसर पर अंतरराष्ट्रीय लॉ से संबंधित बारीकियों विशेष तौर पर मानवाधिकार पर भी जज के रूप में सुगंधा ने दुनियाभर के विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया। रायपुर छत्तीसगढ़ की रहने वाली 30 वर्षीय सुगंधा जैन पिछले 8 सालों से सुप्रीम कोर्ट में वकालत कर रही है। इसके साथ ही विभिन्न राज्यों के शासकीय संस्थानों से संबद्ध है। वह महिला उत्थान एवं कानूनी जागरूकता को लेकर जन जागरण अभियान में भी अपना योगदान देती रही है।

मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री एवं सांसद ने दी बधाई

आज लॉ जैसे महत्वपूर्ण विषय पर अंतर्राष्ट्रीय मंच में पहुंचकर भारत का मान बढ़ाने वाली सुगंधा की इस उपलब्धि पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय,उप मुख्यमंत्री अरुण साव एवं सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने उन्हें छत्तीसगढ़ का गौरव बताते हुए बधाई एवं उज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी है और उन्हें नौजवान पीढ़ी के लिए प्रेरणा का स्रोत बताया है।

छग स्टेट पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी से 9 की विदाई, अनुभवी कर्मियों की कमी खलेगी : मनोठिया

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी मुख्यालय में आज 9 अधिकारियों–कर्मचारियों को अधिवार्षिकी आयु पूर्ण होने पर सेवानिवृत्ति व विदाई दी गई। मुख्य कार्यक्रम में कार्यपालक निदेशक श्री के.एस. मनोठिया ने कहा कि 37 से लेकर 41 वर्षों तक सेवा करने वाले बिजली कर्मियों के पास बहुमूल्य अनुभव की पूंजी है। उनकी विदाई से अनुभवी कर्मियों की कमी खलेगी।

आज सेवानिवृत्त हुए अधिकारी–कर्मचारियों में श्री दिलीप कुमार सैनी, अधीक्षण अभियंता, उपकेन्द्र जगदलपुर, श्री दिलीप कुमार अग्रवाल, प्रशासनिक अधिकारी, रायपुर, श्री मनोज कुमार वर्मा, अनुभाग अधिकारी, रायपुर, श्री के.सन्यासी राव, निज सचिव, रायपुर श्री जवाहर लाल पंद्रे, राजनांदगांव तथा श्री मोहम्मद शफीक, भिलाई तथा अमृतलाल मन्नेवार, रायगढ़, पर्यवेक्षक, श्री यदुनंदन प्रसाद वर्मा, भिलाई तथा सुखराम कौशिक, बिलासपुर लाइन सहायक श्रेणी–दो सेवानिवृत्त हुए।

कार्यपालक निदेशकगण श्री के.एस.मनोठिया तथा संजय पटेल ने सेवानिवृत्तजनों को प्रशस्ति पत्र, स्मृतिचिन्ह आदि भेंट किया। इस अवसर पर के.बी.पात्रे, श्रीमती शारदा सोनवानी, श्री अजय सिंह, श्री आर.के.तिवारी आदि उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन श्री उमेश कुमार मिश्रा, अतिरिक्त महाप्रबंधक ने किया। एक अन्य कार्यक्रम में मानव संसाधन विभाग के अधिकारियों श्री दिलीप कुमार अग्रवाल तथा मनोज वर्मा का अभिनंदन मुख्य अभियंता श्री ए.एम.परियल तथा अतिरिक्त मुख्य अभियंता श्री विनोद अग्रवाल ने किया।

81 वर्षीय हृदय रोगी की प्रोस्टेट सर्जरी HoLEP तकनीक से सफल एमएमआई नारायणा हॉस्पिटल रायपुर ने रचा नया कीर्तिमान

रायपुर (विश्व परिवार)। एमएमआई नारायणा हॉस्पिटल रायपुर ने एक महत्वपूर्ण चिकित्सा उपलब्धि हासिल की है। अस्पताल में 81 वर्षीय हृदय रोगी की सफलतापूर्वक प्रोस्टेट सर्जरी की गई, जो हाल ही में ओपन हार्ट सर्जरी से गुज़रे थे और खून पतला करने वाली दवाओं पर थे।

मरीज को लंबे समय से पेशाब में कठिनाई हो रही थी। जांच में पता चला कि उनका प्रोस्टेट लगभग250 ग्रामतक बढ़ चुका था — सामान्य से कई गुना अधिक। प्रारंभिक इलाज के रूप में एक महीने तक कैथेटर के माध्यम से स्थिति को स्थिर किया गया, इसके बाद Holmium Laser Enucleation of the Prostate (HoLEP) प्रक्रिया की गई। यह एकन्यूनतम इनवेसिव लेज़र तकनीकहै, जिसमें रक्तस्राव बहुत कम होता है और मरीज जल्दी स्वस्थ होता है। सर्जरी के बाद मरीज को मात्र 48 घंटों में अस्पताल से छुट्टी मिल गई और वे एक सप्ताह के भीतर सामान्य दिनचर्या में लौट आए।

इस जटिल सर्जरी का नेतृत्वडॉ. वरुण शर्मा (MCh, Urology, PGI चंडीगढ़)ने किया। उन्होंने बताया, HoLEP बड़ी प्रोस्टेट ग्रंथि वाले और ब्लड थिनर पर चल रहे मरीजों के लिए सबसे सुरक्षित और कारगर तकनीक है। यह तकनीक हमें अत्यधिक सटीकता से सर्जरी करने की सुविधा देती है और मरीज की तेज़ रिकवरी सुनिश्चित करती है।

अस्पताल के फैसिलिटी डायरेक्टरश्री अजीत कुमार बेल्लोंकोंडाने कहा, यह सफलता हमारे हॉस्पिटल की उस विशेषज्ञता को दर्शाती है, जिसके माध्यम से हम उच्च जोखिम वाले मरीजों का सफल इलाज करते हैं। हमारा उद्देश्य है कि हम नवीनतम तकनीकों के माध्यम से बेहतर परिणाम सुनिश्चित करें। HoLEP एक अत्याधुनिक लेज़र तकनीक है जो प्रोस्टेट वृद्धि के इलाज में प्रयुक्त होती है। यह खासतौर पर उन मरीजों के लिए उपयोगी है जो ब्लड थिनर ले रहे हों। इस प्रक्रिया में अधिकांश मरीजों को 24 से 48 घंटों में छुट्टी मिल जाती है और वे शीघ्र सामान्य जीवन में लौट सकते हैं। यह तकनीक 200 ग्राम से अधिक वज़न वाले प्रोस्टेट में भी कारगर है और लंबे समय तक राहत प्रदान करती है। इस सफलता के साथ MMI Narayana Hospital, रायपुर ने एक बार फिर यह साबित कर दिया है कि वह जटिल और उच्च जोखिम वाले मामलों में भी उत्कृष्ट स्वास्थ्य सेवाएं देने में अग्रणी है। HoLEP तकनीक के माध्यम से अस्पताल ने न केवल चिकित्सा जगत में एक मिसाल कायम की है, बल्कि मरीजों के जीवन में भी एक सकारात्मक बदलाव लाया है।

क्रिकेट स्टेडियम दिलाने नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत से लगाई गुहार

छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी खेलकूद प्रकोष्ठ के अध्यक्ष प्रवीण जैन ने सौंपा पत्र

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ प्रदेश के सुदूर आदिवासी, पिछड़े ग्रामीण अंचल, छोटे कस्बों एवं शहरों के प्रतिभावान खिलाड़ी जिन्हें कहीं पेशेवर क्रिकेट खेलने का अवसर नहीं मिलता, जो खिलाड़ी मौका ना मिलने की वजह से गली क्रिकेट या टेनिस बॉल क्रिकेट तक सीमित रहकर अपना हुनर बर्बाद कर देते हैं, इन खिलाड़ियों की प्रतिभा को संवारने, इन्हें राष्ट्रीय मानक के अनुसार मंच प्रदान करने एवं प्रदेश में पेशेवर क्रिकेट को बढ़ावा देने के उद्देश्य से कई वर्षों से इन खिलाड़ियों का प्रदेश स्तर पर चयन कर इन्हें प्रशिक्षित किया जाता है और इनके लिए छत्तीसगढ़ प्रीमियर लीग क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन अंतराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम के अलावा भिलाई, अंबिकापुर एवं बिलासपुर के स्टेडियमों में आयोजित कराते आ रहे हैं, जिसके लिए छत्तीसगढ़ शासन द्वारा नियमित रूप से खेल और खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने हमें शहीद वीर नारायण सिंह अंतराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम नवा रायपुर का मैदान भी प्रदान किया जाता रहा है। इस प्रतियोगिता को नियमित रूप से आगे बढ़ाने छत्तीसगढ़ क्रिकेट संघ से हमें प्राप्त गाइडलाइंस के अनुरूप अब इस प्रतियोगिता को छत्तीसगढ़ चैंपियंस लीग नाम से कराए जाने हेतु कई पत्रों के माध्यम से संचालक, खेल एवं युवा कल्याण विभाग, रायपुर को आवेदन प्रस्तुत किया गया है, किंतु विभाग द्वारा समय अवधि में आवेदन पत्र पर उचित कार्यवाही नहीं की जा रही, जिससे हमें स्टेडियम आवंटित नहीं हो पा रहा है और खेल और खिलाड़ियों को नुकसान उठाना पड़ रहा है, जिसके बाद छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी खेलकूद प्रकोष्ठ के अध्यक्ष प्रवीण जैन ने छत्तीसगढ़ विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष डॉक्टर चरणदास महंत से इस संबंध में शिकायक कर खेल और खिलाड़ियों के सर्वांगीण विकास के लिए अंतराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम का आवंटन अनुकूल समय अवधि में दिलाने की मांग की है, जिस पर नेता प्रतिपक्ष ने त्वरित कार्यवाही करते हुए शासन को पत्र प्रेषित किया है।

वित्त मंत्री ओपी चौधरी से चैंबर प्रतिनिधिमंडल के नए अध्यक्ष ने अपनी टीम के साथ की मुलाकात

रायपुर (विश्व परिवार)। आज छत्तीसगढ़ के यशस्वी वित्त मंत्री श्री ओपी चौधरी से चैंबर प्रतिनिधि मंडल मिला नए अध्यक्ष ने अपनी टीम के साथ मुलाकात की एवं आने वाले कार्यकाल की चेंबर की गतिविधियां की जानकारी दी श्री ओपी चौधरी ने नए टीम को बधाई दी साथ साथ शासन का पूरा सहयोग आश्वाशन दिया। चेंबर अध्यक्ष श्री सतीश थोरानी,कोषाध्यक्ष श्री निकेश बरडिया, उपाध्यक्ष श्रीराजू भाई तारवानी, श्री अशोक अग्रवाल,श्री लोकेश चंद्रकांत जैन, मंत्री श्री आकाश अमर धावना,श्री भरत पमनानी के साथ ही दिलीप इसरानी ने भेंट कर आभार प्रदर्शन किया। यह जानकारी राजेश वासवानी ने दी।

प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी प्रियेश कुमार जैन द्वारा आसमां पब्लिसर्स इंडिया प्रा.लि. पंजाब नेशनल बैंक के सामने, जयस्तंभ चौक, रायपुर से मुद्रित एवं ओलंपस जिम के पीछे, सेक्टर-1, शंकर नगर रायपुर (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक : प्रदीप कुमार जैन, फोन नं. : 0771- 4017966, मो.- 9981924252 RNI.NO.CHHHIN/2013/50354